हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 24 जुलाई 2024

FIRST AND BIGGEST
Designer Jewellery Showroom

Follow Us On
@Sahelijewellers

सहेली ज्वेलर्स

RAIPUR | DURG

सही शुध्दता - सही सलाह - सही कीमत - सर्वश्रेष्ठ डिजाइन्स

प्रिय ग्राहकों के लिए सोने के स्पेशल दाम

आज और कल

ज्वेलरी	प्रति 10 ग्राम रूपये में
24 कैरेट	~~₹73000~~
22 कैरेट	~~₹66620~~
18 कैरेट	~~₹54570~~

प्रति 10 ग्राम रूपये में

24 कैरेट
₹69500*

22 कैरेट
₹62200*

18 कैरेट
₹52100*

100 % BIS सर्टिफाइड हॉलमार्क ज्वेलरी।

100 % IGI सर्टिफाइड डायमंड एवं पोल्की ज्वेलरी

100000+ डिजाइन्स की उत्कृष्ट रेंज

Raipur, Sadar Bazaar
+91 9584411144

Durg, Shree Shivam Mall
+91 9399809928

VALET PARKING | SUNDAY OPEN

*GST APPLICABLE

*T&C APPLY

TEAM CREATIVE ADVERTISERS

FISHTECH SOLUTIONS

नौसेना के लिए 'त्रिपुट' युद्धपोत का किया जलावतरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वास्को स्थित गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे दो 'पी11356 युद्धपोत' में से पहले युद्धपोत 'त्रिपुट' का मंगलवार को जलावतरण किया। यह युद्धपोत अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित है। गोवा के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने युद्धपोत का जलावतरण किया, जबकि उनकी पत्नी रीता पिल्लई ने इसे 'त्रिपुट' नाम दिया। नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय

सिंह, भारतीय नौसेना के युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण के नियंत्रक वाइस एडमिरल बी. शिवकुमार इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे। राज्यपाल पिल्लई ने कहा, "हमारी नौसेना किसी भी देश की चुनौती का सामना करने और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। भारतीय नौसेना की भूमिका दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।" उन्होंने कहा, "आज के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, राष्ट्र कई चुनौतियों का सामना करते हैं। युद्धपोत का जलावतरण हमारे हितों की रक्षा के लिए देश की तैयारियों और प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन है।"

इस त्रिपुट नाम रखा गया

वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि इस जहाज का नाम त्रिपुट रखा गया है, जो भारतीय नौसेना की शक्तिशाली तलवार और प्रतीकात्मक अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प तथा हमला करने की क्षमता के कारण रखा गया है।

67 साल का टूटा रिकॉर्ड

जलावतरण समारोह के बाद जीएसएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि शिपयार्ड अपने 67 साल पुराने इतिहास में पहली बार इतने बड़े जहाज का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा, "हमने अब तक अपतटीय गश्ती जहाज और त्वरित गश्ती जहाज बनाए हैं। यह पहला बड़ा युद्धपोत है, जिसका हमने निर्माण किया है। 'त्रिपुट' अक्टूबर 2026 में नौसेना सेवाओं में शामिल होने के लिए उपलब्ध होगा।

'एसोसिएटेड प्रेस' के सर्वेक्षण में आई बात सामने

डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने के लिए हैरिस ने हासिल किया पर्याप्त 'डेलीगेट' समर्थन

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने के लिए पर्याप्त 'डेलीगेट' (पार्टी मतदाताओं के प्रतिनिधि) का समर्थन हासिल कर लिया है। 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के सामने राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की चुनौती होगी। राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया। बाइडन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख नेता हैरिस के समर्थन में तत्काल हो खड़े हो गए और उनके प्रचार अभियान ने 24 घंटे में चंदा एकत्र करने का नया रिकॉर्ड बनाया। हैरिस को सोमवार रात तक कम से कम 2,579 'डेलीगेट' का समर्थन प्राप्त हो चुका था, जबकि पार्टी उम्मीदवार बनने के लिए 1,976 'डेलीगेट' की आवश्यकता होती है। एपी की यह गणना व्यक्तिगत 'डेलीगेट' के साक्षात्कारों, हैरिस को समर्थन देने की घोषणा करने वाले राज्य स्तरीय दलों के सार्वजनिक बयानों और व्यक्तिगत 'डेलीगेट' के सार्वजनिक तौर पर दिए बयानों पर आधारित है।

ट्रंप अमेरिका को पीछे ले जाना चाहते हैं : कमला हैरिस

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के लिए अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर तीखे हमले के साथ की। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति देश को पीछे ले जाना चाहते हैं। डेलावेयर के विलमिंगटन में सोमवार को अपनी प्रचार टीम को संबोधित करते हुए कमला (59) ने कहा कि ट्रंप का विवादित प्रोजेक्ट 2025 ''मध्यम वर्ग को कमजोर करेगा और हमें एक बार फिर उन विफल नीतियों की ओर ले जाएगा, जिनके तहत अरबपतियों और बड़ी कंपनियों को करों में भारी छूट दी गई और कामकाजी लोगों से इसकी भरपाई करवाई गई।'' राष्ट्रपति जो बाइडन (81) के गत रविवार को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की अचानक घोषणा कर सबको चौंका दिया था। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला (59) के नाम की सिफारिश की थी। इसके अगले दिन बाइडन की प्रचार अभियान टीम का नाम बदलकर 'हैरिस कैंपेन' कर दिया गया था। कमला ने प्रचार टीम के सदस्यों से कहा कि वह 'बाइडन-हैरिस कैंपेन टीम' को बरकरार रख रही हैं।

कमला के लिए प्रचार करेंगे बाइडेन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से पीछे हटने के अपने फैसले को सोमवार को 'सही कदम' करार दिया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के चलते वह अभी लोगों के बीच नहीं जा पा रहे हैं, लेकिन वह जल्द ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे। बाइडन (81) ने गत रविवार को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की अचानक घोषणा कर सबको चौंका दिया था। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस (59) के नाम की सिफारिश की थी। अपनी पूर्व प्रचार टीम को फोन पर संबोधित करते हुए बाइडन ने इसके सदस्यों से उपराष्ट्रपति कमला को 'दिल से अपनाने' का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अभियान टीम का नाम बदलकर भले ही 'हैरिस कैंपेन' कर दिया गया है, लेकिन इसका मिशन वही है-डोनाल्ड ट्रंप को हराना।

इथियोपिया में भूस्खलन, बच्चों समेत 157 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶| अदीस अबाबा

इथियोपिया के एक दूरस्थ क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 157 लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय प्राधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

स्थानीय प्रशासक दागमावी आयेले ने बताया कि दक्षिणी इथियोपिया के केंचो शाचा गोजदी जिले में मिट्टी धंसने की घटना में मारे गए लोगों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। गोफा जोन के संचार कार्यालय के प्रमुख कासाहुन अबेयनेह ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 157 हो गयी। सोमवार रात तक 55 लोगों की मौत की सूचना थी। गोफा जोन वह प्रशासनिक इलाका है जहां भूस्खलन हुआ है।

अब भी बड़ी संख्या में लोग लापता

गोफा में एक अन्य अधिकारी मार्कोस मेलीसे ने बताया कि अन्य लोगों को बचाने की कोशिश करते वक्त भूस्खलन की चपेट में आए लोगों में से कई लापता हैं। गोफा जोन में आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी के निदेशक मेलीसे ने बताया, "हम अब भी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।" उन्होंने बताया, "कई बच्चे हैं जो हादसे में अपनी मां, पिता, भाई और बहन समेत पूरे परिवार को खो चुके हैं तथा लाशों से लिपट कर रो रहे हैं।"इथियोपिया में जुलाई में शुरू होने वाले बारिश के मौसम में भूस्खलन होना आम है। बारिश का यह मौसम सितंबर मध्य तक जारी रहने की संभावना है।

जापान में 28 से 30 जुलाई तक बैठक

जापान में क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच इस वर्ष जापान में क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक होगी। इसमें भारत से विदेश मंत्री एस.जयशंकर भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा के निमंत्रण पर विदेश मंत्री एस.जयशंकर 28 से 30 जुलाई तक जापान की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इसका उद्देश्य जापान द्वारा आयोजित की जा रही क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक है। जिसका आयोजन 29 जुलाई को टोक्यो में किया जाएगा। इस बैठक में भारत, जापान के अलावा अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग भी भाग लेंगी। मंत्रालय के मुताबिक, चारों विदेश मंत्री क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषयों पर चर्चा करेंगे और एक खुले हुए, स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र के गठन के साझा विजन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भावी सहयोग पर मंथन करेंगे।

लाओस की भी करेंगे यात्रा

उधर, भारत के विदेश मंत्री जापान से पहले 25 से 27 जुलाई तक लाओस की राजधानी वियनतियाने की भी यात्रा करेंगे। यहां वह आसियान फ्रेमवर्क के तहत आयोजित की जाने वाली विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।

ब्रह्मपुत्र पोत में आग से नुकसान की नौसेना प्रमुख ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को मुंबई में नौसेना के स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र में लगी आग से हुए नुकसान की समीक्षा की। युद्धपोत पर आग लगने की यह घटना बीते रविवार शाम मुंबई डॉकयार्ड में मरम्मत कार्य के दौरान हुई थी। इसके दो दिन बाद एडमिरल त्रिपाठी इस पूरे घटनाक्रम का विस्तार से जायजा लेने के लिए 23 जुलाई को मुंबई पहुंचे थे। एक अधिकारी ने बताया कि नौसेनाप्रमुख ने मुंबई डॉकयार्ड का दौरा कर वहां जमीनी हालात का जायजा लिया।

पुंछ में आतंकवादियों से मुठभेड़, एक जवान शहीद

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया, जिस दौरान एक जवान शहीद हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'व्हाइट नाइट कोर' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सतर्क सैनिकों ने तड़के तीन बजे बट्टल सेक्टर में घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों की गोलीबारी का माकूल जवाब देकर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी।" कोर ने कहा, "भारी गोलीबारी के दौरान एक वीर जवान घायल हो गया।

- सेना ने घुसपैठ के प्रयास को किया नाकाम

अभियान जारी है। सूत्रों के अनुसार, सैनिकों को कृष्णाघाटी के बट्टल अग्रिम क्षेत्र में आतंकवादियों के समूह की गतिविधियों का पता चला और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। सूत्रों ने बताया कि लांस नायक सुभाष कुमार भीषण मुठभेड़ में घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

एजेंसी ▶▶| जम्मू

दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए मंगलवार तड़के 2,400 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक छोटा जत्था जम्मू आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 91 वाहनों में सवार 1,886 पुरुष और 536 महिलाओं समेत 2,484 तीर्थयात्रियों के 26वें जत्थे ने तड़के तीन बजकर 25 मिनट पर भगवती नगर आधार शिविर से आगे की यात्रा शुरू की। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों और पुलिस कर्मियों ने जत्थे को सुरक्षा मुहैया कराई। अधिकारियों के मुताबिक, जत्थे में शामिल 1,715 तीर्थयात्री अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे मार्ग से अमरनाथ गुफा मंदिर जाने के लिए पहलगाम पहुंचेंगे, जबकि बाकी 770 तीर्थयात्रियों ने गांदेरबल जिले में 14 किलोमीटर के अपेक्षाकृत छोटे, लेकिन कठिन बालटाल मार्ग को यात्रा के लिए चुना है।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : ऑप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हर्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No.
7724035770
9329004557
9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
मो. 9039050422
मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

सभी प्रकार के रोगों का नि:शुल्क विशाल आयुर्वेद चिकित्सा एवं पंचकर्म परामर्श
दिनांक 21 से 28 जुलाई 2024 | सुबह 9 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक
श्रीधर औषधालय एवं पंचकर्म केन्द्र
सम्पूर्ण आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
अग्रिम पंजीयन के लिए संपर्क करें 76470-97309, 98279-66617
मुनआस रियल्टी के बाजू में, रिंग रोड नं.-1, रायपुरा, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

रायपुर, बुधवार 24 जुलाई 2024 | श्रावण माह, कृष्ण पक्ष तृतीया | वर्ष : 23, अंक : 7 | पृष्ठ : 8+6+8 = 22, मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायगढ़ के 14 हजार 950 घरों में नल से जल

रायगढ़ जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों को लेकर कांग्रेस विधायक लालजीत सिंह राठिया ने सवाल उठाते हुए कहा यहां कितने कार्य पूरे हुए और कितने में घरों में नल से पानी दिया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि रायगढ़ जिले में 1348 कार्य स्वीकृत हैं, इनमें 175 कार्य पूरे हो चुके हैं। अपूर्ण कार्यों को मार्च 2026 तक पूरा किया जाएगा। वर्तमान में 35 ग्रामा पंचायतों में कार्य पूर्ण होने के बाद 14950 घरों में नल से पानी पहुंच रहा है।

सवालों में जल जीवन मिशन, 20 विधायकों ने उठाए सवाल, मंत्री ने कहा-गड़बड़ी मिलीं, कार्रवाई की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को लेकर भाजपा-कांग्रेस के 20 विधायकों ने सवाल उठाए। विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र में मिशन के अंतर्गत किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया और गड़बड़ी और लेटलतीफी पर सवाल पूछे। भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने तंज कसा कि कांग्रेस सरकार में गधे-गंवारों को काम मिलता रहा है। उन्होंने सभी 90 विधानसभा में संचालित कार्यों की समीक्षा करने की मांग उठाई। मंत्री अरुण साव ने मिशन के कार्यों को लेकर विधायकों के सुझाव पर अमल करते हुए इसका परीक्षण कराए जाने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन में राज्य ⏭शेष पेज 4 पर

- हरिभूमि ने छत्तीसगढ़ की दिखाई थी हकीकत, अब तक 9 अधिकारी सस्पेंड किए गए
- भाजपा विधायक धर्मजीत ने कहा, सभी विधानसभाओं में समीक्षा होनी चाहिए

हरिभूमि खास

बेलतरा में 65 कार्य अपूर्ण

बेलतरा के भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने अपने क्षेत्र में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 101 स्वीकृत कार्यों में से कितने कार्य पूरे किए गए और पूरा नहीं करने का कारण क्या है। मंत्री ने बताया कि बेलतरा विधानसभा के अंतर्गत किए गए कार्यों में से 36 कार्य पूर्ण किए गए हैं। शेष 65 कार्य अपूर्ण है। कार्यों के अधिकांश जगह स्रोत में जल की आवक कम होने और ठेकेदार के द्वारा विलंब किया जाना बताया गया है।

बालोद के कई गांवों में नहीं हो रहे कार्य

कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा ने बालोद विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में अपूर्ण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा, काम कहीं नहीं हो रहा है। मंत्री ने बताया कि बालोद जिले में 1245 कार्य स्वीकृत हैं। 104 कार्य पूरे किए जा चुके हैं, लेकिन क्रियाशील नहीं है। 510 कार्य अपूर्ण और प्रगतिरत हैं। योजना में 631 योजनाओं में कार्य पूर्णता के बाद जल प्रदाय किया जा रहा है। विधायक की शिकायत पर मंत्री ने परीक्षण कराने की बात कही है।

बस्तर के 95 ग्रामों में नल से जल

कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल ने पूछा कि बस्तर विधानसभा क्षेत्र में कितने ग्राम पंचायतों में नल से पानी दिया जा रहा है। यहां के अपूर्ण कार्यों को कब तक पूरा किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि बस्तर विधानसभा में जल जीवन मिशन के तहत 135 ग्राम पंचायतों के 173 ग्रामों में पाइप लाइन बिछाकर 49 हजार 593 घरों में नल कनेक्शन दिए जाने का प्रावधान है। इसके लिए टंकी बनाई जा रही है। 95 ग्रामों के 12 हजार 467 घरों में पानी सप्लाई की जा रही है। यहां पर 2024 के अंत में कार्य पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अमेरिकी महिला से सवा तीन करोड़ की ठगी

नई दिल्ली। ईडी ने एक अमेरिकी महिला के साथ की गई 3.3 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के सिलसिले में दिल्ली के रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने बताया कि दिलशाद गार्डन में रहने वाले लक्ष्य विज (33) को संघीय जांच एजेंसी ने सोमवार रात धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया।

चार माह के बेटे के साथ ट्रेन के सामने कूदी

जयपुर। अजमेर जिले के अलवर गेट थाना क्षेत्र में कल देर रात एक महिला ने अपने चार महीने के

मासूम बेटे के साथ ट्रेन के आगे कूद कर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। जगदंबा कालोनी की प्रियंका चौरसिया (24) और मासूम बेटे हरयांश के शव मिला।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 20 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। सरकारी योजनाओं के

तहत ऋण मुहैया कराने के बहाने लोगों को ठगने के आरोप में नौ महिलाओं सहित 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। अनुमान है कि 400 से अधिक पीड़ित कॉल सेंटर की धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं।

जाली नोट गिरोह में सदस्य को पांच साल कैद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय मुद्रा के उच्च गुणवत्ता के

जाली नोट चलाने के एक प्रमुख आरोपी को एनआईए अदालत ने पांच साल कठोर कैद की सजा सुनाई। मालदा में गोपालगंज इलाके के निवासी फैजुल एसके पर 5000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

दोबारा नहीं होगी नीट परीक्षा, कोर्ट ने कहा गड़बड़ियों के नहीं मिले कोई पुख्ता सबूत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी नीट-यूजी 2024 परीक्षा को रद्द करने और दोबारा परीक्षा कराने की मांग वाली याचिकाओं को मंगलवार को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रश्नपत्र के व्यवस्थित रूप से लीक होने और अन्य गड़बड़ियों को दर्शाने वाली कोई सामग्री रिकॉर्ड में नहीं है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं नरेंद्र हुड्डा, संजय हेगड़े और मैथ्यूज नेदुमपरा सहित विभिन्न वकीलों की दलीलें करीब चार दिनों तक सुनीं। पीठ ने 20 लाख से अधिक छात्रों के ⏭शेष पेज 4 पर

परीक्षा को रद्द करने और दोबारा परीक्षा कराने की मांग वाली याचिकाएं खारिज

कोर्ट ने कहा-प्रश्नपत्र के लीक होने और अन्य गड़बड़ियों को दर्शाने वाली सामग्री रिकॉर्ड में नहीं

अलग खबर

नीट पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया। सीजेआई की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा है कि दोबारा परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि परीक्षा की पवित्रता का उल्लंघन किया गया था। इस मामले में अब 23 जुलाई को फिर से सुनवाई शुरू होगी।

40 याचिकाओं की सुनवाई

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा, स्नातक (नीट-यूजी) 2024 में कथित अनियमितताओं से संबंधित लगभग 40 याचिकाओं पर सुनवाई की। सुनवाई 23 जुलाई को फिर से शुरू होगी।

विशेषज्ञों ने कहा : केवल एक सही उत्तर था

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के तीन विशेषज्ञों की समिति ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी 2024' में पूछे गए भौतिकी के एक विवादास्पद प्रश्न का केवल एक ही सही उत्तर था, न कि दो। आईआईटी निदेशक रंगन बनर्जी ने भौतिकी विभाग की एक समिति गठित की और वे बताते हैं कि तीन विशेषज्ञों की एक टीम ने प्रश्न की जांच की। टीम का कहना है कि चौथा विकल्प, जो कहता है कि पहला कथन सही है, लेकिन दूसरा कथन गलत है, सही जवाब है। पीठ ने कहा, समिति ने साफ तौर पर कहा है कि केवल एक सही विकल्प था, जो कि चौथा विकल्प है। इसलिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) अपनी उत्तर पुस्तिका में सही थी, जिसमें चौथे विकल्प को सही बताया गया था।

155 छात्र धोखाधड़ी के लाभार्थी

पीठ ने केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की स्थिति रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हजारीबाग और पटना के परीक्षा केन्द्रों के 155 छात्र धोखाधड़ी के लाभार्थी प्रतीत होते हैं। उसने कहा कि चूंकि दागी छात्रों को अन्य छात्रों से अलग पहचाना जा सकता है, इसलिए याचिकाकर्ताओं के इस तर्क में कोई दम नहीं है कि दोबारा परीक्षा ही एकमात्र विकल्प ⏭शेष पेज 4 पर

स्कूल, कॉलेज धार्मिक स्थलों के पास शराब दुकानें

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने स्कूल, कालेज, धार्मिक स्थलों समेत खेल मैदान और अस्पताल के आस -पास संचालित शराब दुकान और प्रकाशित खबरों को स्वतः संज्ञान में लिया है। मामले को जनहित याचिका के रूप में स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य शासन और जिला प्रशासन को नोटिस भी जारी किया था। शासन की ओर से इस बारे में कहा गया कि पहले ⏭शेष पेज 4 पर

- सरकार ने कहा -100 मीटर की दूरी पर करेंगे सख्ती

मारपीट, गुंडागर्दी और छेड़खानी जैसी घटनाएं

स्कूल-कालेज के पास संचालित दुकानों के चलते छात्र-छात्राओं समेत स्कूल- कालेज प्रबंधन को हमेशा सुरक्षा को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ा है। खासकर ⏭शेष पेज 4 पर

नियमों की अनदेखी कर रहे अधिकारी

शराब दुकानों का विरोध, चखना सेंटर सहित आबकारी विभाग की मनमानी के खिलाफ मीडिया में लगातार खबरें आती रही हैं। इन मीडिया रिपोर्ट्स पर अब हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इसे जनहित याचिका के तौर पर स्वीकार करते हुए ⏭शेष पेज 4 पर

नदी किनारे हजारों एकड़ फसल पानी में डूबी

चंगोरी में फंसे मजदूर, दो मंजिला भवन में चढ़कर बचाई जान

तेज बहाव में बहा मासूम ट्रैक्टर भी बहा ले गई बाढ़

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा/ किरंदुल/ दुर्ग/ भिलाई/ कवर्धा/ डौंडीलोहारा

प्रदेश के कई हिस्सों में मंगलवार को भी लगातार हो रही बारिश का असर दिखा है। कोण्टा में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 बाढ़ के पानी से लगातार चार दिनों से बाधित है। कोण्टा बार्डर के चट्टी चौक पर माल वाहक वाहनों की लम्बी कतार लगी हुई है। वहीं दूसरी ओर तेलंगाना जाने वाले लोगों को चट्टी से कुछ दूरी तक कच्चे मार्ग का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं, कवर्धा में जहां बाढ़ के हालत में भी एक ट्रैक्टर चालक ने अपनी गाड़ी को बाढ़ ग्रस्त नदी की पुलिया से पार कराने की कोशिश की और वाहन बह गया। घटना में ट्रैक्टर ट्राली सवार चालक सहित कुल पांच ग्रामीण ⏭शेष पेज 4 पर

- चौबीस घंटे से राज्यभर में वर्षा का दौर, आज भी जारी रहने के आसार

बाढ़ प्रभावितों से मिले अफसर दिलाया मदद का भरोसा

एनएमडीसी 11बी डेम के पानी से प्रभावित किरंदुल के बंगाली कैंप, मल्लप्पा कैंप और गाटर पुलिया के आस-पास के प्रभावित लोगों से मंगलवार को दंतेवाड़ा कलेक्टर, एसपी एवं पूर्व विधायक ने मुलाकात कर ⏭शेष पेज 4 पर

मजदूर बाढ़ में फंसे

शिवनाथ नदी किनारे स्थित महमरा सहित आसपास के आधा दर्जन गांव का संपर्क टूट गया है। इन गावों का आवागमन बंद हो गया है। वहीं अछोटी के पास नदी में अचानक बाढ़ का पानी अधिक हो जाने की वजह से काम पर गए 20 मजदूर फंस गए।

चक्रवाती घेरा के असर से प्रदेश में व्यापक बारिश, अब कमी केवल 45 मिमी. की

रायपुर। झारखंड के ऊपर बने चक्रवाती घेरा के प्रभाव से पिछले चौबीस घंटे से प्रदेश के 80 से 90 फीसदी क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। आसमान नहीं खुलने की वजह से उमसभरी बेचैनी गायब हो चुकी है और ठंडकता लौटने के साथ दिन का अधिकतम तापमान पांच डिग्री तक नीचे लुढ़क चुका है। राज्य में अब तक 423.9 मिमी. बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से केवल 45 मिमी. कम है। वर्षा का दौर बुधवार को जारी ⏭शेष पेज 4 पर

छुट्टी अनिवार्य नहीं, लड़कियां यदि चाहें तो कर सकती हैं आवेदन

लॉ यूनिवर्सिटी लड़कियों को देगा पीरियड्स के दौरान छुट्टी, ऐसा करने वाला प्रदेश का पहला विवि

- फिलहाल एक माह में एक दिन की ही छुट्टी का प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विवि अपने संस्थान में अध्ययनरत लड़कियों को उनके मासिक धर्म के दौरान छुट्टी प्रदान करेगा। इस तरह की व्यवस्था करने वाला एचएनएलयू प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। छात्राओं के लिए यह छुट्टी अनिवार्य नहीं होगी, यदि वे चाहें तो ही इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। यदि पीरियड्स के दिनों में भी छात्राएं कक्षाओं में उपस्थित होना चाहें तो हो सकती हैं। यह पूर्णतः छात्राओं की व्यक्तिगत ⏭शेष पेज 4 पर

अलग खबर

छात्राओं को समर्थन देना आवश्यक

एमएलपी का कार्यान्वयन एचएनएलयू में युवा महिला छात्रों की विशेष आवश्यकताओं को समझने और उन्हें समर्थन देने के लिए है। हम इस नीति के समर्थन के लिए अकेडमिक काउंसिल का धन्यवाद करते हैं।

- प्रो.सीसी विवेकानंदन, कुलपति, एचएनएलयू

परीक्षा के दिनों में बढ़ाई जाएगी छूट

विवि प्रबंधन का कहना है कि छात्राओं की मनोवैज्ञानिक और शारीरिक अवस्थाओं को समझे जाने की आवश्यकता है। मेंस्ट्रुअल लीव पॉलिसी का उद्देश्य पीरियड के दौरान विशेष सहायता प्रदान करना है। इसके अंतर्गत छात्राओं को माह में एक दिन अवकाश दिया जाएगा। राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में निर्धारित उपस्थिति अनिवार्य होती है। ऐसे में छात्राओं को दिए जाने वाले अवकाश को उनके उपस्थिति के दिनों में गिना जाएगा। छात्राएं माह में एक दिन और एक सेमेस्टर में 6 दिनों की छुट्टी इस प्रावधान के अंतर्गत ले सकेंगी। परीक्षा के दिनों में बेड रेस्ट की आवश्यकता के सत्यापन पर ऐसी छूट का विस्तार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अनियमित मेंस्ट्रुअल पीरियड सिंड्रोम या विकार, जैसे पीसीओएस से पीड़ित छात्राएं भी इसके लिए आवेदन कर सकेंगी।

चिंतन

रोजगार व विकास बढ़ाने वाला बजट

आम बजट
अवधेश कुमार

इस बजट का आरंभ ही युवाओं और रोजगार सृजन से हुआ। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के संकल्प पत्र में भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है और इसके संदर्भ में अंतरिम बजट में काफी प्रावधान किए गए थे। यह बजट उसी का विस्तारित रूप है। यह एक साथ व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन के साथ कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित करने, मैन्युफैक्चरिंग को आगे बढ़ाने, स्वरोजगार सृजन पर बल देने वाला बजट है। रोजगार सृजन को रोजगार से जुड़ी योजना से प्रोत्साहित किया जाएगा। यह योजना रोजगार के पहले चार वर्षों के दौरान सरकार प्रत्येक कर्मचारी के लिए दो साल तक प्रति माह 3,000 रुपए तक के ईपीएफओ योगदान करेगी।

चालू वित्त वर्ष की बची हुई तीन तिमाही के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 का आम बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा है। इसमें विकास व राजगार को गति देने का रोडमैप है। रोजगार सृजन के उपायों पर अधिक फोकस है। अगले पांच साल में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार सृजन हेतु दो लाख करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की गई है। शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का निर्धारण अलग से किया गया है। इससे रोजगार क्षेत्र में क्या बदलाव आएगा यह वक्त बताएगा। रोजगार सृजन पर विपक्ष सरकार की आलोचला करता रहा है। मध्यम वर्ग व एवं नौकरीपेशा को टैक्स में राहत दी गई है, तो कौशल विकास, एमएसएमई उद्योगों के प्रोत्साहन पर जोर दिया गया है। विदेशी निवेशकों को कॉरपोरेट टैक्स में पांच फीसदी की राहत दी गई है, अब 35 फीसदी लगेगा। मानक कटौती को 50 प्रतिशत बढ़ाकर 75,000 रुपये किया गया है। मानक कटौती के तहत आयकर की गणना करने से पहले वर्ष में अर्जित कुल वेतन में से निश्चित राशि घटा दी जाती है। किसान, युवा, महिलाएं व बच्चों और गरीबों के कल्याण पर अधिक ध्यान दिया गया है। केंद्रीय बजट 2024-25 में वित्त मंत्री ने अर्थव्यवस्था में प्रगति के पर्याप्त अवसर उत्पन्न करने के लिए नौ प्राथमिकताएं तय की हैं। ये हैं- कृषि व संबंद्ध क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाना, रोजगार सृजन व स्किल डेवलपमेंट, समग्र मानव संसाधन विकास व सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचे का सतत विकास, नवाचार, शोध और विकास, अगली पीढ़ी के सुधार है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा प्रगतिशील कदम है। इससे खेती की लागत कम होगी और उच्च गुणवत्ता की फसल की पैदावार होगी। भाजपा को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने के लिए ग्रामीण असंतोष और बेरोजगारी को जिम्मेदार माना गया। इसलिए रोजगार के साथ ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का फंड दिया गया है। बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है। स्टार्टअप में सभी श्रेणी के निवेशकों के लिए 'एंजल टैक्स' समाप्त कर दिया है। जब कोई गैर-सूचीबद्ध या स्टार्टअप कंपनी शेयर जारी कर पूंजी जुटाती है और उसका मूल्य कंपनी के उपयुक्त बाजार मूल्य से अधिक होता है, तब उस पर 'एंजल टैक्स' लगाया जाता है। वित्त मंत्री ने प्रतिभूतियों के वायदा एवं विकल्प खंड में प्रतिभूति लेनदेन कर को बढ़ा दिया। इस कदम से शेयर बाजारों में दिन में बड़ी गिरावट आई, बाद में संभल कर मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। बजट में चुनावी राज्य बिहार का ध्यान रखा गया है, जबकि महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड व दिल्ली के लिए अलग से कोई विशेष घोषणा नहीं की गई है। बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में तीन करोड़ किफायती आवासों के निर्माण के लिए सहायता दी जाएगी, मुद्रा योजना के तहत छोटे उद्यमों के लिए कर्ज सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये, 12 औद्योगिक पार्क स्थापित करने और अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए 1,000 करोड़ रुपये का उद्यम पूंजी कोष स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है। हालांकि बजट को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता था। सात लाख रुपये तक की आय को कर मुक्त किया जा सकता था। सरकारी क्षेत्र में नौकरियों के लिए कार्ययोजना रोल आउट की जा सकती थी। निर्यात को बढ़ावा देने की योजना पेश की जा सकती थी, स्वास्थ्य क्षेत्र में इन्फ्रास्टक्चर के विकास के लिए अलग से घोषणा की जा सकती थी। रेलवे के विकास को लेकर बजट चुप है। विनिर्माण क्षेत्र व रीयल एस्टेट क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की जरूरत थी। मुफ्त अनाज, पीडीएस, मनरेगा जैसे सोशल स्कीम्स की समीक्षा करनी चाहिए। इस बजट में विजन है, पर एक्शन प्लान का अभाव है। सरकार को घोषणाओं को जमीन पर उतारने का प्रयास करना होगा, तभी बजट लक्ष्य पूरे होंगे।

रोजगार और विकास का बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024 -25 के बजट पर आम प्रतिक्रियाएं अपेक्षाओं के अनुरूप ही है। हालांकि सामान्य दृष्टि से भी देखें तो यह बजट ऐसा है, जिसमें विपक्ष को तीखी आलोचनाओं के लिए ठोस आधार प्राप्त नहीं हो सकता। लोकसभा चुनाव के पूर्व से लेकर अभी तक विपक्ष ने इस सरकार पर युवाओं, किसानों, गरीबों को नजरअंदाज करने तथा बेरोजगारी बढ़ने का आरोप लगाया है। इस बजट का आरंभ ही युवाओं और रोजगार सृजन से हुआ। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के संकल्प पत्र में भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है और इसके संदर्भ में अंतरिम बजट में काफी प्रावधान किए गए थे। यह बजट उसी का विस्तारित रूप है। यह एक साथ व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन के साथ कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित करने, मैन्युफैक्चरिंग को आगे बढ़ाने, स्वरोजगार सृजन पर बल देने वाला बजट है। ऐसा नहीं है कि इसमें आलोचना के बिंदु नहीं है। मध्यमवर्ग को प्रत्यक्ष कर में अपेक्षित राहत नहीं मिली तो कुछ ऐसे करों की बात है जिनके बारे में तार्किक उत्तर देना थोड़ा कठिन है। भारत के वर्तमान और भविष्य की दृष्टि से इसे एक शानदार बजट कहा जा सकता है।

नरेंद्र मोदी ने पहले भी अपने भाषणों तथा पिछले सारे बजट में वैसे भारत की रूपरेखा प्रस्तुत की है जो वर्तमान अर्थव्यवस्था के मानदंड में विश्व के शीर्ष देशों की कतार में हो, जहां लोगों को जीविकोपार्जन के साधन हों, स्किल से भरे युवाओं तथा समाज का हर वर्ग युवा, महिला, किसान, बुजुर्ग, कारोबारी सबके बीच संतुलन भी हो, किंतु इन सबके साथ भारत अपने अध्यात्म, सभ्यता, संस्कृति और विरासत की मूल पहचान के साथ विकसित भारत बने। इस बजट में इन सपनों का समग्रता से समावेश है, लेकिन इसका मुख्य यूएसपी रोजगार है। आप देखेंगे कि 10 वर्षों के अनुभवों के आधार पर उन सारे क्षेत्रों को चिह्नित किया गया जहां-जहां सबसे ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। विकसित भारत के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर नौ क्षेत्रों पर फोकस का अर्थ व्यावहारिक नीतियों का आधार तय हो जाना है। ये हैं कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा अगली पीढ़ी के सुधार। रोजगार की दृष्टि से देखें तो 2 लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय परिव्यय के साथ 5 वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए जिन पांच योजनाओं और पहलों के लिए प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा है वो व्यावहारिक हैं। शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। वस्तुतः नेशनल करियर सर्विस पोर्टल पर पदों की संख्या बढ़कर 1.09 करोड़ हो गई है, लेकिन नौकरी के लिए पंजीकरण करवाने वालों की संख्या 87.2 लाख ही है। नौकरी की संख्या बढ़ने के बावजूद काफी युवा वंचित हैं तो इसका कारण स्किल के मापदंड पर

खरा नहीं उतरना है। हम स्किल के मापदंडओं पर काफी पीछे हैं । इस दृष्टि से बजट में युवाओं की इंटर्नशिप की एक ऐसी विशिष्ट योजना है जिसकी ओर पहले ध्यान नहीं गया था। एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में शीर्ष-500 कंपनियों में 12 महीने के लिए इंटर्नशिप की योजना इस बजट का प्रमुख आकर्षण है। सीधे काम करते हुए स्किल विकास की ऐसी योजना पहले नहीं आई थी। इसमें इंटर्नशिप करने आए युवाओं तथा कंपनियों पर भी बहुत ज्यादा भार नहीं दिया गया है। कंपनियों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण का खर्च और इंटर्नशिप की 10 प्रतिशत लागत वहन करना होगा। कॉरपोरेट अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत हर वर्ष एक निश्चित राशि खर्च करते हैं। उन्हें उसी में से प्रदान करना है। इस तरह यह पूरी तरह व्यावहारिक है। कल्पना करिए अगर यह सफल रहा तो आने वाले समय में भारत कैसे स्किल वाले युवाओं का देश बन जाएगा। प्रधानमंत्री के पैकेज के हिस्से के रूप में योजनाओं के माध्यम से रोजगार से जुड़े कौशल की घोषणा भी विशिष्ट है। इसके तहत सभी औपचारिक क्षेत्रों में पहली बार काम करने वालों को एक महीने का वेतन मिलेगा। एक महीने के वेतन का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), 15,000 रुपये तक तीन किस्तों में प्रदान किया जाएगा जिसकी पात्रता सीमा 1 लाख रुपये प्रति माह का वेतन होगी। इससे 2.1 लाख युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद की गई है। इस तरह की योजना भी पहले नहीं आई थी। आर्थिक सर्वेक्षण में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में केवल 11.9% रोजगार का चिंताजनक आंकड़ा दिया गया है। कुछ नए कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। रोजगार सृजन को पहली बार कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ी योजना के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा। यह योजना रोजगार के पहले चार वर्षों के दौरान सरकार प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए दो साल तक प्रति माह 3,000 रुपए तक के ईपीएफओ योगदान करेगी। इससे 50 लाख लोगों के अतिरिक्त रोजगार को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य है। इस तरह की कई घोषणाएं बताती है कि कितनी गहराई से विचार किया गया है। रोजगार अपने आप में अर्थव्यवस्था में टापू नहीं हो सकता। संपूर्ण विकास और उसमें स्थिरता सतत स्थायी रोजगार पैदा होने का आधार होता है। स्थायी रोजगार स्वयं में पैदा होता रहता है। कृषि और उससे जुड़े सेक्टर के लिए 1 लाख 52 हजार करोड़ दिया गया है जो पिछले साल से 21.6% ज्यादा है। 400 जिलों में फसलों के सर्वे से वहां किसानों के लिए कौन सा फसल उपयुक्त और लाभदायक होगा उसके प्रचार और प्रोत्साहन पर काम होगा। 32 फसलों की 109 नई किस्में आएंगी।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए फसलों का विविधिरण, खेती के तरीके बदलना, फलों और सब्जियां के पैदावार में वृद्धि, उनके भंडारण और विपणन की सुनिश्चित व्यवस्था व्यापक स्तर पर अभी तक नहीं हो पाई है। बजट में इन सब पर समान बल देना बताता है कि नीतियां सही दिशा में हैं। दाल और दलहन के मामले में आत्मनिर्भरता और इनके उत्पादन, भंडारण और विपणन पर फोकस है। खाद्य तेल वाली फसलों जैसे सरसों, मूंगफली, सूरजमुखी और सोयाबीन के उत्पादन को बढ़ाने, सब्जियों के उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला के लिए कलस्टर बनाने, भंडारण और विपणन के ढांचों का विकास और प्रसार, एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर मोड़ने, कृषि के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की योजना के साथ राज्यों ने सहयोग किया तो कृषि क्षेत्र की तस्वीर बदल सकती है। इस तरह कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत ने स्वयं को अपनी पहचान के साथ विकसित देश के रूप में खड़ा करने की दिशा में गति बना दी है। गठबंधन सरकार से नीतियों पर प्रभाव नहीं पड़ा तो यह अच्छा संकेत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

भजन ही शरीर का प्राण

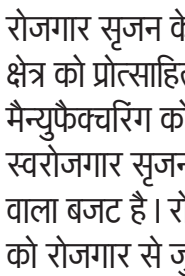

संकलित
दर्शन

काकभुशुंडि जी कहते हैं, मेरे इस भाव परिवर्तन से मेरे परमकृपालु सदाशिव विश्वनाथ मुझ पर और भी अधिक प्रसन्न हो गए। उन्हें लगा कि मेरे इस भक्त (काकभुशुंडि) का प्रवेश मेरे हृदय में हो गया है और इसने देख लिया कि मेरे इष्ट तो बालक राम हैं, जो अयोध्या में दशरथ के अजिर में मालपुआ लेकर घूमते रहते हैं। काकभुशुंडि जी हमें और आपको यह बताना चाहते हैं कि जब उन्होंने कौआ होकर भी भगवान को पा लिया तो हम लोगों के भाग्य के लिए तो शब्द ही नहीं हैं। प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने स्वयं भी समस्त चराचर के कल्याण के लिए मनुष्य का ही शरीर धारण कर लिया है। वे कहते हैं कि इस शरीर को पाने का मात्र एक ही लाभ है कि व्यक्ति भगवान का भजन करे। भक्त काकभुशुंडि ने मनुष्य शरीर से भजन करने के प्रताप और फल को बताते हुए कहा कि ज्ञानी ऋषि लोमश ने मेरे अंदर भक्ति के प्रति पक्षपात देखकर भले ही मुझे अपनी दृष्टि से कौआ बनने का शाप दिया था, पर वह मेरे लिए वरदान हो गया। महत्व इसका नहीं है कि हम किस शरीर, किस देश, किस जाति और धर्म के हैं। काकभुशुंडि जी कहते हैं कि महत्वपूर्ण यह है कि हम भगवान की भक्ति और भजन कर रहे हैं या नहीं? भजन ही शरीर का प्राण है। गोस्वामी जी ने इस बात पर जोर दिया है कि जिसने इस धरा पर जन्म लेकर भगवान का भजन कर लिया, बस वही धन्य है। उसी की विजय होती है, वही संसार में सबके प्रति विनयी होता है, वही गुणों की खान होता है और सारे विश्व में उसी का यश त्रैलोक्य में उजागर होता है।

जिसका भी मनोबल जागा

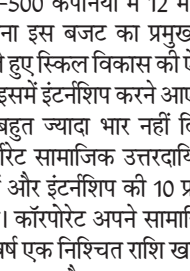

संकलित
प्रेरणा

राजा सुकीर्ति के पास एक लौहश्रृन्ख नामक हाथी था। राजा ने कई युद्ध में उसपर चढ़ाई करके विजय पायी थी। बचपन से ही उसे इस प्रकार से तैयार किया गया था कि युद्ध में शत्रु सैनिको को देखकर वो उनपर इस तरह टूट पड़ता। समय गुजरता गया, अब वह पहले की तरह कार्य नहीं कर पाता था। इसलिए अब राजा उसे युद्ध क्षेत्र में भी नहीं भेजते थे। वह सिर्फ हाथी शाला की शोभा बन कर रह गया। एक दिन वह सरोवर में जल पीने के लिए गया, लेकिन वहीं कीचड़ में उसका पैर धँस गया और फिर धँसता ही चला गया। हाथी के फँसने का समाचार राजा तक भी पहुँचा। राजा समेत सभी लोग हाथी के आसपास इकट्ठे हो गए और विभिन्न प्रकार के प्रयत्न उसे निकालने के लिए करने लगे। लेकिन बहुत देर तक प्रयास करने के उपरांत कोई मार्ग नहीं निकला। तभी गौतम बुद्ध मार्गभ्रमण कर रहे थे। राजा और सारा मंत्रीमंडल तथागत गौतम बुद्ध के पास गये और अनुरोध किया। गौतम बुद्ध ने सबसे पहले घटनास्थल का निरीक्षण किया। और फिर राजा को सुझाव दिया कि युद्ध का माहौल बनाया गया, वाद्ययंत्र मंगवाए गए। नगाड़े बजवाये गए और ऐसा माहौल बनाया गया कि शत्रु सैनिक लौहश्रुन्ख की ओर बढ़ रहे है। और फिर तो लौहश्रुन्ख में एक जोश आ गया। गले तक कीचड़ में धस जाने के बावजूद वह जोर से चिंघाड़ लगाकर सैनिको की ओर दौड़ने लगा। बड़ी मुश्किल से उसे संभाला गया। गौतम बुद्ध ने सबको स्पष्ट किया कि हाथी की शारीरिक क्षमता में कमी नहीं थी, आवश्यकता मात्र उसके अंदर उत्साह के संचार करने की थी।

आम बजट
प्रमोद भार्गव

नींव पुख्ता करने का बजट

इस आम बजट की तीन खास बातें हैं, जो रोजगार से लेकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाली साबित हो सकती हैं। एक कृषि, दो रोजगार और तीन आयकर दाताओं को राहत, इसीलिए इस बजट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल के संदर्भ में महत्वपूर्ण मानते हुए कहा है कि 'यह आम बजट पांच साल के लिए हमारी दिशा तय करने के साथ ही 2029 तक विकसित भारत की आधारशिला रखने में अहम भूमिका निभाता रहेगा। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने खेती में उत्पादकता, बेरोजगारों को नामी कंपनियों में प्रशिक्षण देते हुए पांच हजार रुपये की पारिश्रमिक राशि की आर्थिक सहायता और बाजार को बढ़ावा देने की दृष्टि से कर सारिणी में करदाताओं को राहत। इसके अलावा समग्र मानव संसाधन विकास, ऊर्जा सुरक्षा, ढांचागत विकास, शोध-अनुसंधान जैसे विषयों को प्राथमिकता देते हुए बजट प्रावधान किया गया है। युवाओं को रोजगार देश में इस समय एक बड़ी समस्या के रूप में देखी जा रहा है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा में दक्ष होने के बावजूद रोजगार दूर की कौड़ी बना हुआ है। इस समस्या के समाधान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पहल करते हुए रोजगार और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी पांच योजनाओं के लिए दो लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया है। पांच वर्षों में 4 करोड़ 10 लाख युवाओं के लिए दक्षता प्राप्त करने हेतु 500 स्थापित कंपनियों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। केंद्र सरकार इन युवकों के खाते में पांच हजार रुपये प्रतिमाह सीधे जमा कराएगी। इस बजट में किसान और कृषि की स्थिति को मजबूत बनाने के नजरिए से 1.52 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। पिछले साल इस मद में 1.25 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे। अतएव अब 25000 करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए गए हैं। पांच राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे। हालांकि किसानों को फसल पर दी जाने वाली सब्सिडी पर इस बजट में कोई नया प्रावधान नहीं है। किसान एमएसपी के लिए अर्से से कानूनी रूप देने की मांग कर रहे हैं। यदि इसे कानूनी रूप दे दिया जाता है तो करीब 17 लाख करोड़ रुपये वार्षिक अतिरिक्त खर्च आएगा, नतीजतन देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी। किसान उन्हीं फसलों को उगाएंगे, जिन पर ज्यादा सब्सिडी मिलेगी और जिनकी बाजार में मांग ज्यादा होगी। ऐसे में मोटे अनाज, जिनमें पोषक तत्व अधिक होते हैं, उन्हें किसान खेतों में नहीं बोएंगे, जबकि बीमार होते देश के लिए मोटे अनाज आज की जरूरत बन गई है। इस बजट में आम करदाता को खुश रखने की कोशिश की गई है, इसलिए कर सारिणी में सुधार किया गया है। अब तीन लाख की आमदनी पर कोई कर नहीं लगेगा। तीन से सात लाख रुपये की आय पर पांच फीसदी, सात से दस लाख पर 10 फीसदी, दस से बारह लाख पर 15 फीसदी, बारह से पन्द्रह लाख पर 20 फीसदी और पन्द्रह लाख से अधिक आय पर 30 प्रतिशत कर लगेगा, जो कि करदाताओं के लिए एक बड़ी राहत है। इससे बाजार में पैसे की तरलता बढ़ेगी और व्यापारियों को आर्थिक लाभ होगा। बजट में कैंसर की दवा, सोना-चांदी, प्लेटिनम, मोबाइल फोन, मोबाइल चॉर्जर, बिजली के तार, एक्सरे मशीन, सौर ऊर्जा संयंत्र, चमड़ा और समुद्री खाद्य साम्रगी सस्ते होंगे। सौर घर योजना पर सब्सिडी जारी रहेगी। मोबाइल और चार्जर पर कस्टम ड्यूटी घटाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है। सोना और चांदी के गहनों पर भी यह ड्यूटी घटाकर 6 प्रतिशत कर दी गई है। संचार, उपकरण 15 प्रतिशत और प्लास्टिक का सामान 25 प्रतिशत महंगे किए गए हैं। यह साम्रगी इसलिए महंगी की गई है, क्योंकि यह साम्रगी खराब होने के बाद फेंक दी जाती है, जिससे हर तरह का प्रदूषण बढ़ता है। साथ ही पशुधन के मुंह में भी यह साम्रगी चली जाती है, जिससे जानवर बेमौत मारे जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की बैसाखियों पर टिकी है। अतएव इन दोनों नेताओं की मांग पूरी करते हुए बिहार को 59 हजार करोड़ रुपये और आंध्रप्रदेश को 15 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दिया गया है। लिहाजा माना जा रहा है कि पूरे पांच साल राजग गठबंधन सरकार केंद्रीय सत्ता में बनी रहेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जन्म शताब्दी

बाबा रामदेव ने मंगलवार को मथुरा में आचार्य प्रेम भिक्षु के जन्म शताब्दी समारोह को किया संबोधित।

आज की पाती

नई तकनीक न बने परेशानी का कारण

दुनिया टैक्नोलॉजी की राह पर तेजी से आगे बढ़ रही है। वैज्ञानिक नई-नई टैक्नोलॉजी विकसित कर दुनिया के सभी देशों को एक-दूसरे के नजदीक ले आए हैं। लगभग हर काम नई तकनीक से किया जा रहा है जो कि सुगमता से हो रहे हैं। लेकिन कभी-कभी टैक्नोलॉजी की वजह से दिक्कतें भी आती हैं, तो हर व्यक्ति के मन में यह सवाल उठता है कि नई टैक्नोलॉजी में कुछ न कुछ कमी जरूर रह जाती है। दो-तीन दिन पहले माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में दिक्कत आने से दुनिया के बहुत से देश प्रभावित हुए। इससे विमानन, बैंक, फाइनेंशियल आदि क्षेत्र बहुत बुरी तरह प्रभावित हुए। हमारे देश में भी इसका असर पड़ा। शेयर बाजार पर भी इसका असर पड़ा। कई कंपनियों को नुकसान हुआ। कमियों को दूर करना होगा। – *सचिन डांगे, राजनांदगांव*

ट्रेंड

उच्चतम आवंटन के लिए धन्यवाद

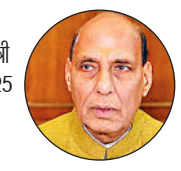

जहां तक रक्षा मंत्रालय को आवंटन का सवाल है, मैं 6,21,940.85 करोड़ रुपये का उच्चतम आवंटन देने के लिए वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं, जो वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत सरकार के कुल बजट का 12.9% है।

-राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

बहुपक्षवाद पिछड़ रहा

आम चुनौतियों के समाधान के लिए एकजुट होने में देशों की विफलता हमारी दुनिया में एक गहरी शिथिलता को दर्शाती है। बहुपक्षवाद पिछड़ रहा है। सितंबर में भविष्य का शिखर सम्मेलन नवीनीकरण का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

आंतरिक विकास करती वैदिक शिक्षा

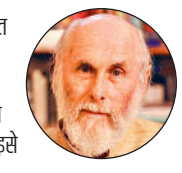

वैदिक शिक्षा केवल हमारे शरीर, इंद्रियों और मन के बाहरी व्यक्तित्व को विकसित करने के बारे में नहीं है, बल्कि हमारे आंतरिक अस्तित्व और सार्वभौमिक और शाश्वत के साथ उसके संबंध को विकसित करने के बारे में है। आधुनिक शिक्षा में इसे विकसित करने के तरीके का अभाव है।

-डॉ डेविड फ्रॉली, अमेरिकी हिंदू लेखक

मैच जीतने वाला बजट

पुरुषों द्वारा विश्व कप जीतने के बाद, सीतारमण द्वारा टीम इंडिया के लिए एक मैच जीतने वाला बजट-आम आदमी के हितों पर ध्यान केंद्रित। एक अनुभवी कैप्टन के नेतृत्व में विस्तृत और अच्छी तरह से शोध किया गया, देश की नब्ज को छूते हुए।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

करंट अफेयर

कनाडा में स्वामी नारायण मंदिर विरूपित किया गया

कनाडा के एडमॉन्टन शहर में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवार पर कथित तौर पर घृणास्पद और भारत विरोधी बातें लिखकर उसे विरूपित किए जाने का मामला सामने आया है। वैंकूवर में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'हम एडमॉन्टन में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी नारे लिखकर विरूपित किए जाने की निंदा करते हैं। हमने कनाडाई अधिकारियों से घटना की जांच करने और अपराधियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।' मंदिर संचालन संस्था बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण (बीएपीएस) ने इस मामले में अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एडमॉन्टन सेंटर से सांसद/प्रतिनिधि रैंडी बोइसोनॉल्ट ने कहा, 'एडमॉन्टन मंदिर को पेंट से विरूपित किया गया, उस स्थान की दीवारों पर घृणित बयानबाजी लिखी गई, जो शरणस्थली होना चाहिए था। कनाडा में घृणा का कोई स्थान नहीं है – पूजा और प्रार्थना के स्थानों पर तो कतई नहीं। यह घटना निंदनीय है और हमारे शहर के मूल्यों के विरुद्ध है।'कनाडा में हिंदू व्यापारिक समुदाय के हितों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित 'कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स' (सीएचसीसी) के एक बयान में कहा गया, 'यह घटना न केवल एक भौतिक संरचना पर हमला है।

ऑफ बीट

100 साल पुराने टीके में नई शक्ति जुड़ सकती है

तपेदिक 9,000 साल से भी अधिक पुराना है। यह सबसे संक्रामक जीवाणु रोग है और 2022 में एक करोड़ छह लाख लोग इससे बीमार पड़े। इनमें से 23 प्रतिशत अफ्रीका में थे। तपेदिक के खिलाफ एकमात्र टीका, बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (बीसीजी) टीका, 100 वर्ष से अधिक पुराना है और मुख्य रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए प्रभावी है। यूनिवर्सिटी ऑफ विटवाटरसैंड स्कूल ऑफ पैथोलॉजी के शोधकर्ताओं ने बीसीजी को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जीन-संपादन करके टीका विकास में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। प्रमुख शोधकर्ताओं में से एक, माइक्रोबायोलॉजिस्ट बवेश काना, द कन्वरसेशन अफ्रीका के नादिन ड्रेयर को इस सफलता के पीछे का विज्ञान और अन्य टीकों के लिए इसकी क्षमता के बारे में बताते हैं। टीके कैसे काम करते हैं? टीके मुख्य रूप से खतरनाक संक्रामक एजेंटों की नकल करके काम करते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली वैक्सीन को 'आक्रमणकारी' के रूप में पहचाने और फिर इसके प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करे। लेकिन आप नहीं चाहेंगे कि आक्रामक एजेंट आपको बीमार कर दे। यह समझने के लिए कि टीके कैसे काम करते हैं, यह देखने में मदद मिलती है कि प्रतिरक्षा प्रणाली कैसे काम करती है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

धार्मिक
आशा ध्रुव

आदिवासी समाज में गूलर वृक्ष का महत्व

हमारी संस्कृति में वृक्षों को देव तुल्य मानकर पूजा अर्चना करते हैं। इसमें डूमर के वृक्ष का भी अपना अलग महत्व है। आयुर्वेद की दृष्टि से भी यह वृक्ष काफी उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के बस्तर आदिवासी अंचल में डुमर या गूलर वृक्ष में दूल्हा और दुल्हन देव का वास माना जाता है। यह वृक्ष कोयतुर समाज के लिए वरदान से कम नहीं है। इसे समाज में आराध्य देव के रूप में भी जाना जाता है। विवाह के समय इस पेड़ की डाली का मगरोहन बनाया जाता है तथा हल्दी लगाते समय दूल्हा दुल्हन के बैठने के लिए बिना कील का पीढ़ा बनाया जाता है। इसके पत्तों से मंडपाछादन करते हैं।

लोक साहित्य
श्यामा सिंह

छत्तीसगढ़ी में खंड काव्य की शुरुआत

छत्तीसगढ़ी में खंड काव्य की रचना बीसवीं सदी के प्रथम दशक में हुई। छत्तीसगढ़ी का प्रथम खंड काव्य पंडित सुरेंद्र दुबे रचित दानलीला 1906, गोविंद राव रचित नागलीला 1924, पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी रचित राम वनवास 1955, बृजलाल शुक्ल रचित सबरी सत्कार 1969, किसन कन्हैया 1970, सुकुवा 1984, गया प्रसाद बसेढिया रचित महादेव के बिहाव, जमुना प्रसाद यादव रचित श्याम संदेश 1962, कुंवर दलपत सिंह रचित रामयज्ञ, वुलन दास कुर्रे रचित महाभारत चक्रव्यूह, कपिलनाथ कश्यप, रचित सीता के अग्नि परीक्षा 1976, हीरा कुमार 1955, मदन लाल प्रजापति रचित मोरध्वज 1976, गांधी गाथा 1986 संत राम साहू रचित लोरिक चंदा 1989, ढोला मारू 1993, काम कंदला 1998, मन्नी लाल कटकवार रचित लीलागर, मेहतर राम साहू रचित रत्ना बपरी, हेमनाथ यदु रचित छत्तीसगढ़ दर्शन, गोविंद राव बिट्ठल रचित नागलीला, श्याम लाल चतुर्वेदी रचित राम वनवास, डा विनय पाठक रचित सीता के दुख, सुंदरलाल शर्मा रचित दानलीला, गया प्रसाद बसेढ़िया रचित महादेव के बिहाव, जमुना प्रसाद यादव रचित श्याम संदेश, मदन लाल प्रजापति रचित मोरध्वज, कपीलनाथ कश्यप रचित हीरा कुमार, हरि ठाकुर रचित शहीद वीर नारायण सिंह प्रमुख खंड काव्य हरे।

पुस्तक समीक्षा

भूलन कांदा

छत्तीसगढ़ी मा

कृति के नाव
भूलन कांदा
छत्तीसगढ़ी मा

कृतिकार
संजीव बख्शी

प्रकाशक
सर्वप्रिय प्रकाशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा
डा. राघवेंद्र राज

मूल्य
दू सौ पचास रुपया

भूलन कांदा हा एक उपन्यास आय जेला हिंदी में पहिली कृतिकार हा लिखिस। ये उपन्यास ऊपर सिनिमा बनाय गिस, जेला राष्ट्रीय स्तर मा पुरस्कृत करे गिस। कृतिकार काफी उत्साहित होके छत्तीसगढ़ी में ए उपन्यास ला लिखिन। ए उपन्यास हा बस्तर अंचल के विशेषता ला बखान करथे, संगे संग प्रकृति में हमन जेन ला अनदेखी कर देथन, वोकर का दुष्परिणाम होथे येला हम ए उपन्यास ला पढ़ के जान सकथन। ए उपन्यास ला छत्तीसगढ़ी मा लिखके लेखक हा अपन छत्तीसगढ़ संग छत्तीसगढ़ी खातिर अपन मया के बखान करे हे। छत्तीसगढ़ी में पाठक मन मजा ले के ए किताब ला पढ़ही।

शरभवंशीय - पाण्डुवंशीय शासन काल में सकल कोसल में संस्कृत भाषा का विशेष महत्व था। यद्यपि उसकी लिपि ब्राह्मी , पाली, कुटिल एवम नागरी हुआ करती थी। संस्कृत के गद्य और पद्य के माध्यमों से ताम्रपत्रों द्वारा राजा की आज्ञा प्रसारित की जाती थी।

भगवान विष्णु पूजे जाते हैं ठाकुर देव के रूप में

परंपरा: बालचंद्र जैन

समस्त कोसल के राजा गण हिन्दू थे। वे पूर्णतः धार्मिक और प्रजा पालक होते थे। उन दिनों श्रीपुर नरेश के राज धर्म के अनुसार वैष्णव और शैव मतों का विशेष प्रभाव था। ग्रामों के नाम प्रायः संस्कृत निष्ट होते थे। इन क्षेत्रों में कई गांव ब्राह्मणों को दान दिए गए थे। पूर्वकालीन ब्राह्मणों में संभवतः कौंडिण्य -कांपिल्य - कंवक गोत्रीय ब्राह्मणों का यहां निवास था। वर्तमान में निवासरत ब्राह्मणों एवम वैष्णवों का आगमन गोंड शासन काल के अंतिम चरण में हुआ। पांडव शासक शैव एवम वैष्णव मतावलंबी थे। सकल कोसल नरेश परम भागवत थे और उनका राजचिन्ह गरुड़ था। उनके उत्तरार्ध में पराक्रमी बालार्जुन शैव मत को मानते थे, तथा उनका राज चिन्ह नंदी था। इस प्रकार इन मांडलिक क्षेत्रों में शैव और वैष्णव मत का पर्याप्त प्रभाव था, जो आज भी विद्यमान है। वैष्णव धर्म का मूल आशय भगवान विष्णु से संबंधित है - कोसलपति तिवरदेव परम भागवत होने के कारण इन क्षेत्रों में पूर्व से ही वैष्णव धर्म लोकप्रिय रहा है। यद्यपि इन क्षेत्रों में विष्णु मंदिर नहीं है किंतु लोक जीवन में व्यापक प्रभाव है। इन क्षेत्रों में ठाकुर देव की सामान्य प्रस्तर खंड के रूप में भक्ति सहित पूजा आराधना की जाती है जो प्रभावशील माने जाते हैं जिन्हें ठाकुरदिया कहा जाता है। दिया शब्द देव शब्द का अपभ्रंश है। भगवान को ठाकुर संबोधन से भी पुकारा जाता है। छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में ठाकुर शब्द अत्यंत लोकप्रिय है। ठाकुर देव की स्वेत पूजा आराधना की जाती है तथा ग्रामीण देवताओं में उनका सर्वश्रेष्ठ स्थान है। इस प्रकार भगवान विष्णु को ही ठाकुर देव के रूप में ही पूजन किया जाता है।

ऊर्जाधानी कोरबा शहर से लगभग 70 किमी दूर सुदूर जंगल में ऊंचे पहाड़ों पर चैतुरगढ़ स्थित है। यह मनोरम जगह पाली से 25 किमी दूर उत्तर की ओर 3060 मीटर की ऊंचाई पर पहाड़ी के शीर्ष पर स्थित है। यह राजा पृथ्वीदेव प्रथम द्वारा बनाया गया था। पुरातत्वविदों ने इसे मजबूत प्राकृतिक किलों में शामिल किया है । 36 किला में से यह एक है , चूंकि यह चारों ओर से मजबूत प्राकृतिक दीवारों से संरक्षित है, केवल कुछ स्थानों पर उच्च दीवारों का निर्माण किया गया है। किले में तीन मुख्य प्रवेश द्वार हैं जो मेनका, हुमकारा और सिंह द्वार के नाम से जाना जाता है।

छत्तीसगढ़ का कश्मीर चैतुरगढ़

पर्यटन: लक्ष्मी नारायण लहरे साहिल

पहाड़ी के शीर्ष पर 5 वर्ग मीटर का एक समतल क्षेत्र है। जहां पांच तालाब हैं इनमें से तीन तालाब में पानी भरा है। यहां प्रसिद्ध महिषासुर मर्दिनी मंदिर स्थित है। महिषासुर मर्दिनी की मूर्ति, 12 हाथों की मूर्ति, गर्भगृह में स्थापित होती है। मंदिर से 3 किमी दूर शंकर की गुफा स्थित है। यह गुफा जो एक सुरंग की तरह 25 फीट लंबा है। गुफा के अंदर का ही व्यास बहुत कम है। चित्तौड़गढ़ की पहाड़ी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं और यह रोमांचक अहसास का अनुभव प्रदान करती है। कई प्रकार के जंगली जानवर और पक्षी यहां पाए जाते हैं। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष पूजा आयोजित की जाती है। यहां पर्यटक दूर दूर से आते हैं । यह स्थल अपने आप में कश्मीर से कम नहीं है, इस जगह को छत्तीसगढ़ का कश्मीर भी कहा जाता है ।

ऐतिहासिक
वीरेंद्र बहादुर सिंह

पूर्वजों के पुनीत कार्य का साक्षी छुईखदान

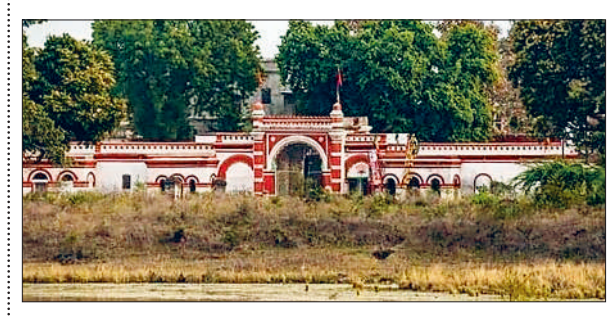

छुईखदान रियासत में एक राजपूत क्षत्राणी द्वारा अपने पति के साथ सती होने का उल्लेख मिलता है। छुईखदान में बड़े तालाब के एक घट का नाम सती घाट है,जिसे अपभ्रंश रूप में सत्ती घाट कहा जाता है। उसी सत्ती घाट में वट वृक्ष के नीचे एक सती चबूतरा बना हुआ था। यह चबूतरा क्षत्राणी इंदिया बाई की याद में बनाया गया है।

सती इंदिया बाई के पति का नाम ठाकुर मस्ताना सिंह भुवाल था। उनके पिता का नाम ठाकुर भुजबल सिंह था। उनका जन्म सन 1701 में इलाहाबाद के कीटगंज मुहल्ले में हुआ था। ठाकुर मस्ताना सिंह अपने समय के ख्याति प्राप्त पहलवान थे। पहलवानी के कारण उन्होंने पंजाब, रीवा,पन्ना और खैरागढ़ आदि स्थानों में काफी ख्याति प्राप्त किया था। ठाकुर मस्ताना सिंह कोडका के जमींदार के यहां फौज में शामिल हो गए थे। सन 1750 में जब कोडका के जमींदार ने नागपुर के भोंसलों के खिलाफ बगावत की तो उसे कुचलने के लिए नागपुर के मराठा राजा रघुजी प्रथम ने महंत रूपदास और उनके दोनों शिष्यों ब्रम्हदास और तुलसीदास को एक सैन्य टुकड़ी के साथ कोडका भेजा था। मराठों की सेना का नेतृत्व महंत रूपदास ने किया था, जबकि ठाकुर मस्ताना सिंह कोडका के जमींदार की ओर से युद्ध में शामिल थे। इस युद्ध में कोडका का जमींदार और ठाकुर मस्ताना सिंह भी लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस बात की जानकारी ठाकुर मस्ताना सिंह की धर्म पत्नी इंदिया बाई को हुई तो अपने पति के अंतिम संस्कार वाले स्थल पर जाकर वह भी अपने आपको अग्नि को समर्पित कर दी और सती हो गई। यह पावन स्थान सत्ती चौरा राजमहल की फुलवारी के समीप लंबे समय तक श्रद्धा और आस्था का जीवंत प्रतीक रहा है।

चिंहारी
सत्यप्रकाश महमल्ला

बैलों के गले की रस्सी होती है गरदेवां

पहले खेती किसानी के लिए लोग बैल और भैसें जैसे मवेशी पर आश्रित रहते थे। सारे काम में इनके मवेशी ही सहयोगी होते थे। इसलिए मवेशियों के देखभाल और रखरखाव में किसान लगे रहते थे। समय के साथ खेती कार्यों में अब अधिकतर खेती के आधुनिक उपकरण और ट्रैक्टर द्वारा खेती के समस्त कार्य किए जाते हैं।

अब मवेशी का चलन और गांवों में बहुत कम होता जा रहा है। इन मवेशियों के साज सज्जा और देखभाल में आज की पीढ़ी रुचि भी नहीं ले रही है। लेकिन खेती में जो किसान मवेशी का उपयोग प्राथमिकता के साथ करते आ रहे हैं उन्हें मवेशी के स्थान पर आधुनिक उपकरण रास भी नहीं आ रहे हैं और किसी तरह काम हो इस उद्देश्य की पूर्ति करना अपनी जिम्मेदारी समझ रहे हैं। अब पुराने दिनों को याद करते हैं तो गरदेवां अब उनके लिए चिंहारी बन कर रह गए हैं। यदि नामकरण के तरफ देखें तो गर यानी गला और देवां यानी डोरी। यह डोरी या रस्सी बैलों और भैंसों के लिए ही प्रयुक्त होती हैं। मवेशियों को नाथ-डोरी और गर्दन -डोरी दोनों होते हैं। संयुक्त रूप से जिस डोरी से मवेशी या पशु को बांधा जाता है उसे गरदेवां कहते हैं। गर देवां का दूसरा छोर हांकनहार यानी इनको नियंत्रित करने वाले किसान के हाथ में होता है। हांकनहार हमेशा अपने अनुसार मवेशी को नियंत्रित करने के लिए सक्षम होता है। अपने विवेक और सुविधानुसार किसान जिस दिशा में चाहे पशुओं को

आगे पीछे या जैसा चाहे वैसा आदेश देकर नियंत्रित करता है। एक तरह से गर देवां पशुओं को नियंत्रित करने का हथियार भी होता है किसानों का। राउत लोग भी पशुओं को नियंत्रित करने के लिए गरदेवां का ही उपयोग करते हैं। ऐसा होता है पशुधन प्रेम का प्रतीक हमारा गांव, जहां ठाव ठाव लक्ष्मी जी का पांव विद्यमान है।

पेज एक के शेष

सवालों में जल जीवन मिशन, 20...

में हुए कार्यों को लेकर हरिभूमि ने इस मुद्दे को लेकर लगातार अभियान चलाया था। उसके बाद सरकार ने जांच के बाद छह ईई को सस्पेंड करने और चार को नोटिस जारी भी किया था। विधानसभा में आज जल जीवन मिशन पर खूब सवाल लगे। जवाब में पीएचई मंत्री अरुण साव ने सदन में बताया कि प्रदेश में कुल 883 संस्थाओं को पंजीकृत किया गया है। अनिमियता पाए जाने के बाद 79 संस्थाओं का पंजीयन निरस्त किया गया। कार्य में लापरवाही बरतने वाले 9 अधिकारी और कर्मचारी निलंबित किए गए हैं। जहां पर भी गड़बड़ी पाई जाएगी, उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिल्हा में 10 प्रतिशत काम-कौशिक : बिल्हा विधानसभा के भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा, जल जीवन मिशन में भारी गड़बड़ी का हवाला देते हुए कहा, मेरे विधानसभा क्षेत्र के दो ब्लॉक में सिर्फ 10 प्रतिशत काम हुआ है। मंत्री अरुण साव ने इस पर कहा, सदस्य की जो शिकायत है, उस पर जांच कराएंगे।

बीजापुर में 85 अपूर्ण कार्य : कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने बीजापुर जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों को लेकर सवाल उठाए उन्होंने पूछा कि यहां पर कार्य कब तक पूरे कर लिए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि बीजापुर जिले में 3 वर्षों में योजना के तहत 229 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। 85 कार्य अपूर्ण हैं। अपूर्ण कार्यों को इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

जांजगीर-चांपा जिले में 297 कार्य अपूर्ण : कांग्रेस विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने जांजगीर-चांपा जिले में जल जीवन मिशन के कार्यो के बारे जानकारी मांगी। मंत्री ने बताया कि जिले में 879 कार्य स्वीकृत हुए हैं, इनमें से 582 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। अब तक किए गए कार्यों के लिए 41248 लाख का भुगतान किए गए हैं। 28573 लाख रुपए का भुगतान शेष है।

लाभ ही नहीं मिल पा रहा: यशोदा वर्मा : कांग्रेस विधायक यशोदा वर्मा ने पूछा कि खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में किन कारणों से जल जीवन मिशन से जल आपूर्ति का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है। मंत्री ने बताया कि जिले में 439 कार्य स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 135 कार्य पूर्ण कर पेयजल आपूर्ति का लाभ दिया जा रहा है। यहां पर मिशन का कार्य निर्धारित मापदंड के अनुसार नहीं होने की शिकायत आई थी।

सुकमा में 88 कार्य अपूर्ण : कांग्रेस विधायक कवासी लखमा ने सुकमा जिले में जल जीवन मिशन के कार्य को लेकर सवाल उठाया। मंत्री ने बताया कि यहां पर पिछले तीन सालों में स्वीकृत कि एगए कार्यों में 332 पूर्ण और 88 कार्य अपूर्ण हैं। अपूर्ण कार्यों को साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

जांजगीर में कार्य छोड़ कर नहीं भागा ठेकेदार : कांग्रेस विधायक व्यास कश्यप ने जांजगीर जिले में मिशन के कार्य को ठेकेदार द्वारा अधूरा छोड़कर भागने पर उनके विरूद्ध क्या कार्रवाई किए जाने की जानकारी मांगी। मंत्री ने बताया कि जांजगीर-चांपा जिले में 84 ठेकेदारों को कार्य प्रदाय किया गया था। यहां पर 21 ठेकेदारों ने कार्य पूर्ण कर लिया है। 63 ठेकेदारों के कार्य अपूर्ण हैं। समय पर कार्य नहीं करने वाले ठकेदारों पर अर्थदंड आरोपित किया गया है। त्रुटिपूर्ण कार्य के लिए 7 ठकेदारों का स्वयं के व्यय पर निर्धारित मापदंड के अनुरूप कारूर् में सुधार कराया जा रहा है। जिले का कोई ठेकेदार कार्य छोड़कर नहीं भागा।

टंकी निर्माण स्थल पर विवाद से विलंब : कांग्रेस विधायक इंद्र साव ने भाटापारा में जन जीवन मियान में टंकी नहीं बनाए जाने की शिकायत की। मंत्री ने बताया कि भाटापारा के 108 ग्रामों व सिमगा विकाखंड के 63 ग्रामों में कार्य स्वीकृत किए गए। यहां पर टंकी निर्माण में स्थल चयन पर विविाद होने के कारण ठेकेदार के कार्य में विलंब हुआ है।

अंबिकापुर के 5 ग्रामों में नल से जल : भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर जिले में नल जल मिशन के कार्यो की जानकारी मांगी। मंत्री ने बताया कि अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 165 ग्रामों में से 5 ग्रामों में कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष ग्रामों में इसका कार्य इस साल के अंत तक पूरा किया जाना है।

कांकेर में ईई के विरूद्ध जांच जारी : भाजपा विधायक आशाराम नेताम ने कांकेर जिले मिशन के कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी मांगी। उहोंने कहा यहां अधिकारियों के द्वारा कार्य में लापरवाही पर क्या कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ने बताया कि यहां पर 19 ग्राम पंचायतों में नल से जल आपूर्ति किया जारहा है। यहां पर तात्कालीन कार्यपालन अभियंता औश्र सदस्य सचिव के विरूद्ध शिकायत मिली थी। जांच की जा रही है।

पत्थलगांव में नलकूप स्रोत की समस्या : भाजपा विधायक गोमती साय ने जल जल योजना के पेयजल आपूर्ति में समस्या के निराकरण पर सवाल उठाया। मंत्री ने कहा, पत्थलगांव विधानसभा के अंतर्गत ग्राम छातातराई के एक मोहल्ले में नलकूप जल स्रोत कर लाभ योजना से मिलना संभावित है।

जगदलपुर में 19 हजार से अधिक घरों में नल से जल मिलेगा : भाजपा विधायक किरण देव में जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन के स्थिति पर सवाल उठाया। मंत्री ने बताया कि यहां पर योजना के अंतर्गत 29,155 घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्य इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

दोबारा नहीं होगी नीट परीक्षा...

भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसले के प्रभावी हिस्से को लिखा और कहा कि विस्तृत फैसला बाद में सुनाया जाएगा। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, /"यह निष्कर्ष निकालने के लिए कोई सामग्री नहीं है कि नीट-यूजी 2024 परीक्षा के नतीजों में गड़बड़ी हुई है या इसमें प्रणालीगत उल्लंघन है।

155 छात्र धोखाधड़ी...

है। पीठ ने इसके साथ ही विभिन्न वजहों से 1,563 छात्रों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित करने के एनटीए के निर्णय को भी बरकरार रखा।

स्कूल, कॉलेज धार्मिक स्थलों के...

इन संस्थानों से 50 मीटर की दूरी पर शराब दुकान खोलने का नियम था जिसे बढ़ाकर 100 मीटर किया गया। इसके बाद भी कहीं शिकायत है तो सख्ती और कार्रवाई की जाएगी। नियमों और प्रावधानों के आधार पर शराब दुकानों और चखना दुकानों को हटाया जाएगा और शिफ्ट किया जाएगा। हाइवे से कम से कम 500 मीटर से अधिक दूर पर शराब दुकान लगाने के निर्देश का भी पालन कराया जा रहा है। शासन के जवाब के बाद हाईकोर्ट ने याचिका निराकृत कर दी है। जिले में कुल 65 से अधिक देशी-विदेशी मदिरा दुकानों का संचालन शासन स्तर पर संचालित किया जा रहा है।

मारपीट, गुंडागर्दी और...

महिलाओं, छात्राओं को अधिक मुश्किल होती है। जबकि नियमानुसार ऐसे चिन्हित स्थानों और हाइवे से कम से कम 500 मीटर से अधिक दूर पर शराब दुकान लगाने का निर्देश है। बावजूद इसके राजस्व को ध्यान में रखते हुए न तो विभाग ने जनता की आवाज को गंभीरता से लिया, और न ही प्रशासन ने जनता की भावनाओं का सम्मान किया। बिलासपुर के साथ ही प्रदेश में कई जगह स्कूल-कॉलेज और अस्पताल के आसपास ही शराब की दुकानें है।

नियमों की अनदेखी...

राज्य शासन, आबकारी विभाग और कलेक्टर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बिलासपुर में आबकारी विभाग के अधिकारी नियमों की अनदेखी कर स्कूल, कॉलेज और अस्पताल के नजदीक शराब बेच रहे हैं। इनकी दूरी न्यूनतम 100 और अधिकतम 300 मीटर है। इन दुकानों को लेकर स्कूल प्रबंधन और आसपास के लोग लंबे समय से दुकान हटाने की मांग कर रहे हैं।

तेज बहाव में बहा मासूम...

बाल-बाल बच गए। घटना बीते सोमवार के शाम करीब 5.00 बजे के आस-पास बताई जा रही है। वहीं अछोटी के पास नदी में अचानक बाढ़ का पानी अधिक हो जाने की वजह से काम पर गए 20 मजदूर फंस गए, जिन्हें बचाया गया है। वहीं, बालोद के डौंडीलोहारा विकासखंड मुख्यालय से लगे ग्राम भेड़ी में तीन वर्षीय बालक बह गया। जानकारी मिलने पर उसकी खोजबीन शुरू हुई, लेकिन देर शाम तक उसका पता नहीं चला। रात्रि में अंधेरा होने के कारण बच्चे को तलाश करने का काम रोक दिया गया है। जानकारी के मुताबिक बालोद के ग्राम भेड़ी निवासी 3 वर्षीय बालक नैतिक सिन्हा पिता वासुदेव सिन्हा गांव की ही आंगनबाड़ी क्रमांक एक में पढ़ने गया था। उसके बाद पंचायत भवन व कलामंच के पास से गुजरने वाले नाली के पास खेलते पहुंच गया। बताया जा रहा है कि बारिश के कारण से नाली में लगभग दो से तीन फीट पानी बह रहा था। इस बीच वह पानी देखते देखते उसमें गिरकर बहने लगा। आसपास खेल रहे अन्य बच्चों ने उसे देखकर बड़ों को सूचना दी। पुलिस व राजस्व प्रशासन को सूचना मिलने पर सर्चिंग अभियान भी शुरू किया गया। जिले से आपदा प्रबंधन की टीम भी पहुंची व बहने वाले नाली को काफी दूर तक तलाशी अभियान चलाया गया। परन्तु देर शाम तक बच्चे का पता नहीं चल पाया था। रात्रि में अंधेरा होने के बाद तलाशी अभियान बंद कर दिया गया है। वहीं, मोंगरा बैराज से 5 हजार क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में मंगलवार को फिर छोड़ा गया है।

बाढ़ प्रभावितों से ...

क्षेत्र का निरीक्षण किया। लोगों के टूटे मकान, कार, बाइक, स्कूटी क्षतिग्रस्त हुई। एनएमडीसी के फाइन ओर से घर में रखे सारे सामान नष्ट हुए। क्षतिग्रस्त मकानों के अंदर जाकर हुए नुकसान को कलेक्टर, एसपी एवं पूर्व विधायक ने देखा। जनता ने उनके सामने अपने दर्द बयां किए, इस दौरान उनके आंसू निकल आए। जिंदगी भर की जमा पूंजी मिनटों में पानी के सैलाब के साथ बहकर चली गई। पीड़ित परिवारों से कलेक्टर और पूर्व विधायक ने बात की। उनकी तकलीफ और आप बीती सुनकर कलेक्टर ने जल्द से जल्द मुआवजा दिलवाने की बात कही व हर संभव मदद करने का भरोसा दिया।

चक्रवाती घेरा के असर...

रहने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में 18 जुलाई को बना सिस्टम आगे बढ़कर कम अवदाब का क्षेत्र फिर चक्रवाती घेरा में तब्दील हो चुका है। इसके प्रभाव से पिछले छह दिन से प्रदेश में बारिश हो रही है। 18 से 20 जुलाई तक वर्षा का व्यापक प्रभाव बस्तर में रहा। पिछले दो दिन से मध्य इलाके में बारिश हो रही है और कल इसका प्रभाव उत्तरी हिस्से में नजर आने की संभावना है।

पांच दिन में 124 मिमी. बारिश : प्रदेश में 18 जुलाई की स्थिति में कुल वर्षा 299 मिमी. थी, जो सामान्य से 26 प्रतिशत कम थी। मंगलवार की स्थिति में यहां 424 मिमी. बारिश हो चुकी है और अंतर केवल 45 मिमी. का रह गया है। अभी सबसे ज्यादा बीजापुर में 979 मिमी, बालोद जिले में 595 तथा सुकमा जिले में 746 मिमी. बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से अधिक है। **रायपुर में दूसरे दिन भी झड़ी** : सावन के पहले दिन से राजधानी में शुरू हुआ वर्षा का दौर दूसरे दिन भी जारी रही। आधी रात के बाद शुरू हुई बारिश कम और ज्यादा असर के साथ होती रही। बारिश की वजह लोग दिनभर रेनकोट से लिपटे नजर आए। शहर के कई प्रमुख मार्गों में पानी भर गया, जिसका असर वाहनों की आवाजाही पर नजर आया।

गुरुवार से असर कम : राज्य में 18 जुलाई से वर्षा की गतिविधि लगातार जारी है। सिस्टम के कमजोर होने के बाद गुरुवार से इसके प्रभाव में थोड़ी कमी आएगी।
- **गायत्री कांचीभोथला**, विशेषज्ञ, मौसम विभाग

लॉ यूनिवर्सिटी लड़कियों को देगा...

इच्छा पर निर्भर रहेगा। विधि विवि द्वारा इसे मेंस्टुअल लीव पॉलिसी अर्थात एमएलपी नाम दिया गया है। मौजूदा माह से ही संस्था ने इसे लागू कर दिया है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिकारी को इस योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। छात्राएं संबंधित अधिकारी को आवेदन दे सकेंगी। विवि प्रबंधन के मुताबिक, हम महिला विद्यार्थियों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध हैं। स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर खुलकर बात करने की जरूरत है। इसे लेकर सक्रिय दृष्टिकोण अपना रहे हैं। यह नीति एचएनएलयू हेल्थ शील्ड पहल का हिस्सा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.) जोन क्र. 01 सकरी

मैनुअल निविदा सूचना

निविदा क्र./06/जोन क्र. 01 सकरी/जन. कार्य. वि./2024 — सकरी, दिनांक 23/07/2024

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर, जोन क्रं.-01 (सकरी) में निम्नांकित कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मैनुअल निविदा दिनांक **14.08.2024** को सायं 03:00 बजे तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया जाता है:-

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्रपत्र
1	वार्ड क्र. 03, 13 एवं 14 के विभिन्न स्थानों पर लघु निर्माण/मरम्मत कार्य। (पीडब्लूडी रोड/भवन एसओआर 01.01.2015 एवं इलेक्ट्रीक एसओआर 01.06.2020)	10.00	7500	750	प्रपत्र-अ
2	वार्ड क्र. 01 मुखीराम साहू के घर से भवानी यादव के घर तक (काली मंदिर के पास) नाली निर्माण एवं विजय अवस्थी के घर के पास कलवर्ट निर्माण कार्य। (पीडब्लूडी भवन एसओआर 01.01.2015)	2.03	2100	750	प्रपत्र-अ
3	वार्ड क्र. 03 उस्लापुर कंपोस्ट शेड में फेसिंग एवं मरम्मत तथा सकरी एसएलआरएम सेंटर में मरम्मत कार्य। (पीडब्लूडी रोड/भवन एसओआर 01.01.2015 एवं इलेक्ट्रीक एसओआर 01.06.2020)	3.31	3400	750	प्रपत्र-अ
4	वार्ड क्र. 01, 02 एवं 04 के विभिन्न स्थानों पर लघु निर्माण/मरम्मत कार्य। (पीडब्लूडी रोड एस ओआर 01.01.2015 एवं इलेक्ट्रीक एसओआर 01.06.2020)	10.00	7500	750	प्रपत्र-अ
5	वार्ड क्र. 01, 02, 03, 04, 13 एवं 14 के विभिन्न स्थानों में पॉट होल रिपेयरिंग कार्य। (पीडब्लूडी रोड/भवन एसओआर 01.01.2015)	4.00	4000	750	प्रपत्र-अ
6	वार्ड क्र. 13 राजेश यादव के घर से सोनू यादव के घर होते हुये सुनीता यादव घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (पीडब्लूडी रोड/भवन एसओआर 01.01.2015) (महापौर मद)	4.00	4000	750	प्रपत्र-अ

नोट:- कार्य का विस्तृत विवरण/निविदा शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में देखी जा सकती है। जानकारी www.bilaspurnagarnigam.com में देखी जा सकती है।

जोन कमिश्नर, जोन क्र. 01
न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
जोन क्रमांक - 06
नवीन अंतर्राज्यीय बस स्टैण्ड तृतीय तल, जलगृह मार्ग रावणभाठा रायपुर
(E-Mail ID. - rmzone6@gmail.com)

-:: ई निविदा संशोधन सूचना ::-

इस कार्यालय द्वारा निविदा क्रमांक 384 दिनांक 04.07.2024 सिस्टम टेंडर क्रमांक 155738 के द्वारा ऑनलाईन निविदा जारी किया गया है। उक्त निविदा में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:-
1. Annexture - 'A' अनिवार्य नहीं है।
2.(1) Bid Due Date 23.07.2024 Time 17:30
(2) Physical Doc Submission End Dates 25.07.2024 Time 17:30
(3) Bid Open Date (Scheduled) Dates 26.07.2024 Time 11:30

निविदा से संबंधित अन्य जानकारियां यथावत रहेगी।

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन आयुक्त, जोन क्रमांक 06
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
(आदिवासी विकास शाखा)
Phone No. 07856-252441, Fax No. 07856-252441,
Email : actd. dantewada@nic.in

क्रमांक /832/आ.वि./ निर्माण/2024-25 — दन्तेवाड़ा, दिनांक 19/07/2024

// संक्षिप्त निविदा //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों के लिए प्रपत्र "अ" प्रतिशत दर पर शासकीय निर्माण विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों से मुहरबंद निविदायें पंजीकृत डाक से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्यों में प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा भवन निर्माण कार्यों के लिए जारी एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित लागू होगा। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर नियत तिथि एवं समय में प्राप्त किया जा सकता है। धरोहर राशि सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास दन्तेवाड़ा के नाम से होगा।

1. निविदा प्रपत्र मूल्य जमा कर कोरे निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि - 29/07/2024 सायं 5.30 बजे तक
2. भरे हुए निविदा प्रपत्रों की मुहरबंद लिफाफे कार्यालय में प्राप्त होने की तिथि - 31/07/2024 सायं 5.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 31/07/2024 सायं 5.30 बजे।

क्र.	कार्य /स्थान का नाम	विकास खण्ड	कार्य की लागत (लाखों में)	अमानत राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मुल्य
1	2	3	4	5	6
1	स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मिडियम स्कूल जावंगा में आवश्यक निर्माण कार्य।	जवंगा	13.02	0.10	प्रति कार्य की निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- रू. होगी। उक्त कार्य हेतु "D" श्रेणी या अधिक के ठेकेदार भाग ले सकते है तथा कार्य 03 माह के भीतर पूर्ण करना होगा।
2	स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मिडियम स्कूल कटेकल्याण में आवश्यक निर्माण कार्य।	कटेकल्याण	43.55	0.33	

नोट :- निविदा संबंधी अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास दंतेवाड़ा

G- 242501277/3

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर
Email:- sepwdkanker.2010@rediffmail.com/se.kanker@nic.in,
Fax No. 07868-224040

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित सड़क कार्य हेतु दिनॉक 08.08.2024 समय 17:30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	एन.आई. टी. नंबर	टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	2	3	4	5
1	04	156404	पखांजूर अनुविभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम एवं बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य।	169.35 लाख
2	05	156405	भानुप्रतापपुर अनुविभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम एव बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य।	104.17 लाख
3	06	156406	राजनांदगांव – बैलाडिला मार्ग के कि.मी. 124 से 165 = 34.30 कि.मी. में बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य एवं अंतागढ़- बेड़मा मार्ग के कि.मी. 0.00 से 35 = 2.60 कि.मी. में बी.टी. पेंच मरम्मत एवं विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.बी.एम. / डब्ल्यू.एम.एम कार्य।	114.48 लाख
4	07	156407	नारायणपुर उपसंभाग क्र. 02 के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य।	60.00 लाख
5	08	156408	नारायणपुर उपसंभाग क्र. 01 के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम एवं बी. टी. पेंच मरम्मत कार्य।	60.00 लाख
6	09	156409	उपसंभाग केशकाल के अंतर्गत मुख्य जिला मार्गो में डब्ल्यू. एम. एम एवं बी. टी. पेंच मरम्मत कार्य।	130.43 लाख
7	10	1564010	उपसंभाग क्र-02 कोण्डागांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम एवं बी. टी. पेंच मरम्मत कार्य।	98.44 लाख
8	11	1564011	उपसंभाग क्र–01 कोण्डागांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम एवं बी. टी. पेंच मरम्मत कार्य भाग - 01।	75.95 लाख
9	12	1564012	उपसंभाग क्र–01 कोण्डागांव के अंतर्गत डब्ल्यू. एम. एम एवं बी. टी. पेंच मरम्मत कार्य भाग - 02।	48.40 लाख
10	13	1564013	उपसंभाग केशकाल के अंतर्गत ग्रामीण मार्गो में डब्ल्यू. एम. एम एवं बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य।	29.47 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञिप्त, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेव पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय बेवसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
ठेकेदार का हॉट मिक्स प्लांट होना अनिवार्य है।
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि – 08.08.2024 है।
नोट:- प्रथम आमंत्रण

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग,
कांकेर मण्डल, कांकेर

G- 242501278/2

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग,
बिलासपुर जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 156343 / निविदा सूचना क्र. 02 / वलेलि / 2024-25, दिनांक 19.07.2024

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 12.08.2024 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है

कार्य का नाम :- गुदगुदा नाला पर नगाराडीह (शमशान घाट के पास) स्टापडेम निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत :- रू. 178.53 लाख
(निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. दिनांक 22.08.2022 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत एवं विस्तृत निविदा निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 26.07.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा साइट सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2023 में जारी किए गये Pre Bid Qulification certificate (Valid up to 30.09.2024) का उपयोग अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
खारंग जल संसाधन संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

G-242501273/1

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय दन्त चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

क्र. 3349/क्रय/जीडीसी/2024 — रायपुर, दिनांक 22/07/2024

// निविदा सूचना //

शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के प्रोस्थोडोन्टिक्स एवं अन्य विभागों में लगने वाले डेन्टल मटेरियल, कंज्युमेबल, डिस्पोजेबल एवं अन्य आवश्यक सामग्रीयों के क्रय हेतु मोहरबंद निविदायें, निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विकेताओं (Manufacturer, Dealers or sub-dealers) से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र महाविद्यालय की वेबसाईट www.govtdentalcollegeraipur.in से डाउनलोड किये जा सकते है। इसके लिये राशि रूपये 500/- का बैंक ड्राफ्ट जो प्राचार्य शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के नाम से देय हो संलग्न करना अनिवार्य है अथवा दिनांक 23/08/2024, सायं 5:30 बजे तक राशि रू. 500/- नगद अथवा बैंक ड्राफ्ट जमा कर महाविद्यालय से प्राप्त किये जा सकते है, जो वापसी योग्य नहीं होगी। विवरण निम्नानुसार हैः-

क्रमांक	सामग्रीयो का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रु.)
1	डेन्टल मटेरियल, कंज्युमेबल, डिस्पोजेबल एवं अन्य आवश्यक सामग्री	20 लाख	20 हजार

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि - 23/08/2024 समय 5.30 बजे सायंकाल तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 27/08/2024 समय 5.30 बजे सायंकाल तक
निविदा खोलने की तिथि - 28/08/2024 समय दोपहर 12.00 बजे
निविदा जमा करने का स्थान - शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर
निविदा खोलने का स्थान - शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर

प्राचार्य
शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

G-242501287/2

वन विभाग छत्तीसगढ़
बस्तर (सामान्य) वनमंडल, जगदलपुर

नीलाम विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, बस्तर सामान्य वनमंडल जगदलपुर के सरगीपाल काष्ठागार में दिनांक 05.08.2024 को इमारती काष्ठ का नीलाम रखा गया है। इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि, नीलाम में भाग लेकर डिपो में रखी वनोपज की भली भांति अवलोकन कर नीलाम से संबंधित जानकारी वनमंडल कार्यालय जगदलपुर अथवा काष्ठागार सरगीपाल से कार्यालयीन दिवसी में प्राप्त किया जा सकता है। प्रस्तावित मात्रा में कमी या अधिकता हो सकती है, कृपया बोली लगाने के पूर्व वनोपज का निरीक्षण करने के बाद बोली लगावें। नीलाम में लॉट पर बोली लगाने के पूर्व सत्यंकार राशि 10 प्रतिशत के बराबर या 1000/- रूपये, इनमें से जो भी अधिक हो बयाने की राशि जमा करना अनिवार्य है। वर्ष 2024 का पंजीयन एवं फर्म का पेन नम्बर एवं जी.एस.टी. नम्बर की प्रति सत्यंकार कक्ष में जमा करें।
काष्ठागार सरगीपाल नीलाम समय 9.00 बजे प्रातः दिनांक 05.08.2024

काष्ठागार सरगीपाल नीलाम में रखे गये वनोपज की मात्रा

प्रजाति	वनोपज की मात्रा					
	नया काष्ठ			पुराना काष्ठ		
	घनमीटर (अनुमानित)	बल्ली	डेंगरी	घनमीटर	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7
सागौन	20.000	0	100	577.137	3558	2981
साल	1069.000	0	100	2170.027	91	398
बीजा	45.000	0	0	79.125	7	0
साजा	9.000	0	0	49.816	14	8
हल्दु	2.000	0	0	34.169	0	24
शीशम	0.000	0	0	0.000	0	0
सिबना	5.000	0	0	0.000	0	0
तिंसा	3.000	0	0	10.186	3	0
नीलगिरी	0.000	0	0	0.000	0	0
धावडा	20.000	0	0	15.926	0	0
अन्य	25.000	0	0	66.089	0	0
पाईन	0.000	0	0	0.000	0	0
अकेशिया	0.000	0	0	0.000	0	0
मुलायम काष्ठ	2.000	0	0	28.189	0	0
योगः-	1200.000	0	200	3030.664	3673	3411

पुरानी सायकल - 54 नग
औधोगिक बांस
2 मीटर -2160 बंडल 36.000 नो.टन
1 मीटर -2670 बंडल 22.250 नो.टन

वन मंडलाधिकारी
बस्तर वन मंडल, जगदलपुर

G-242501290/5

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कांकेर जिला-उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

// संशोधित विज्ञप्ति //

क्रमांक/1164/ज.पं./जलाशय /2024-25 — कांकेर, दिनांक 19/07/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद पंचायत कांकेर के अधिनस्थ निम्नलिखित जलाशयों को मत्स्य पालन हेतु 10 वर्षीय लीज पर आबंटन दिए जाने हेतु आवेदन पत्र दिनांक 07.08.2024 तक कार्यालयीन समय में आमंत्रित किया जाता है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	जलाशय का नाम	रकबा	ग्राम का नाम	ग्राम पंचायत
1	सिंचाई जलाशय बेवरती	15.310 हेक्टेयर	बेवरती	बेवरती
2	बांधापारा, कुरूष्टिकुर सिंचाई जलाशय	10.560 हेक्टेयर	कुरूष्टिकुर	कुरूष्टिकुर
3	पांडरवाही सिंचाई जलाशय	15.08 हेक्टेयर	पांडरवाही	पांडरवाही

उक्त जलाशयों का आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित दिनांक 07.08.2024 तक जनपद पंचायत कार्यालय कांकेर में जमा करें। अपूर्ण आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। अन्य शर्ते एवं निति निर्देश कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत कांकेर

राशिफल

मेष — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। धर्म के प्रति श्रद्धा रहेगी।

वृष — कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें।

मिथुन — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। पिता का साथ मिलेगा। खर्च बढ़ेंगे। बातचीत में संयत रहें।

कर्क — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में मन लगेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा लाभप्रद रहेगी। मन में उतार-चढ़ाव के भाव रहेंगे।

सिंह — शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भागदौड़ अधिक रहेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

कन्या — शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी।

तुला — क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक — धैर्यशीलता बनाए रखें। भाई-बहनों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ सकती है।

मकर — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

कुंभ — कार्यक्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खर्चों की अधिकता रहेगी। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है।

मीन — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 5581

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 5580 का हल

सूडोकु नवताल - 5592

मध्यम

सूडोकु नवताल - 5591 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

क्रिकेट : भारत-श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज 27 से

सूर्यकुमार की कप्तानी में उतरेगी टीम इंडिया श्रीलंका की कमान संभालेंगे चरित असलंका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और श्रीलंका क्रिकेट टीम के बीच 27 जुलाई से टी-20 सीरीज शुरू होगी। 3 मैचों की सीरीज में श्रीलंका टीम की कप्तानी चरित असलंका करेंगे, जबकि भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव संभालते हुए नजर आएंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से संन्यास लेने के बाद युवा बल्लेबाजों के पास खुद को स्थापित करने का मौका होगा।

गिल उपकप्तान

श्रीलंका दौरे के लिए टी-20 टीम में हार्दिक पांड्या की मौजूदगी के बावजूद सूर्यकुमार को कप्तान बनाया गया है, जबकि शुभमन गिल को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बता दें कि सूर्यकुमार अब तक 7 टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की कप्तानी कर चुके हैं, जिसमें से 5 में भारत जीता है और 2 में शिकस्त झेली है। वहीं, गिल के नेतृत्व में हाल ही में भारत ने जिम्बाब्वे में 4-1 से टी-20 सीरीज जीती थी।

हसरंगा की जगह असलंका को दी कप्तानी

टी-20 विश्व कप 2024 में श्रीलंका ने निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जिसके बाद वनिंदु हसरंगा ने अपनी कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। अब एसएलसी ने असलंका को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ 2 टी-20 मैचों में टीम की अगुआई की थी। उस समय हसरंगा को निलंबित कर दिया गया था। बता दें कि असलंका ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 126.76 की स्ट्राइक रेट से 1,061 रन बनाए हैं।

गंभीर शुरू करेंगे कोचिंग कार्यकाल

इस दौरे के साथ ही गौतम गंभीर का भारत के कोच के रूप में कार्यकाल शुरू हो जाएगा। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे, जो टी-20 विश्व कप 2024 तक इस भूमिका में थे। गंभीर पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग करते हुए नजर आने वाले हैं। उनके साथ अभिषेक नायर और रयान टेन डोशेट सहायक कोच होंगे। गंभीर ने श्रीलंका की उड़ान भरने से पहले सहायक कोच की जानकारी दी थी।

भारत की टी-20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज।

श्रीलंकाई टीम

श्रीलंकाई टीमः चरित असलंका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल जेनिथ परेरा, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वनिंदु हसरंगा, डुनिथ वेलालागे, महीश तीक्षाना, चामिंदु विक्रमसिंघे, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, दुष्मंता चमीरा और बिनुरा फर्नांडो।

एशिया कप : भारतीय महिला टीम पहुंची सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| दांबुला

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2024 में नेपाल महिला क्रिकेट टीम को 82 रन से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दांबुला में खेले गए मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 178/3 का स्कोर बनाया। भारत से शेफाली वर्मा ने 81 रन की पारी खेली। जवाब में नेपाली टीम पूरे ओवर खेलने के बाद 96/9 का स्कोर ही बना सकी।

इस तरह से भारत ने जीता मुकाबला

भारत को शेफाली और दयालन हेमलता (47) की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत दिलाई। इस जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। वहीं अंतिम ओवर्स के दौरान बल्लेबाजी के लिए आई जेमिमा रोड्रिगेज ने 15 गेंदों पर नाबाद 28 रन बनाए और भारत ने चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। जवाब में नेपाल ने 21 रन तक अपने 2 विकेट गंवा दिए। इसके बाद भी टीम ने निरंतर विकेट गंवाए। नेपाल से सीता राणा ने सर्वाधिक 18 रन बनाए।

तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी दीप्ति

गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने 3 सफलताएं हासिल की। उनके अब 129 विकेट हो गए हैं। वह अब महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व की तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी है। दीप्ति से आगे पाकिस्तान की निदा डार (141) और ऑस्ट्रेलिया की मेगन शूट (136) हैं। आज के मैच के दौरान उन्होंने विकेटों के मामले में सोफी एक्लेस्टोन और एलिसी पेरी दोनों (126) को पीछे छोड़ा।

भारतीय टीम 26 को खेलेगी सेमीफाइनल

भारत ने ग्रुप-ए में अपने तीनों मैच जीतते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले भारत ने पाकिस्तान और यूएई को हराया था। भारतीय टीम 26 जुलाई को अपना सेमीफाइनल मैच खेलेगी।

नेपाल को 82 रन हराया

शेफाली ने लगाया अपना 10वां अर्धशतक

शेफाली ने नेपाली गेंदबाजों की जमकर खबर ली और सिर्फ 26 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 10वां अर्धशतक रहा। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वोच्च स्कोर भी बन गया। वह 48 गेंदों पर 81 रन की पारी खेलकर आउट हुईं। उन्होंने पारी में 12 चौके और 1 छक्का भी लगाया। उन्होंने अब तक 79 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में लगभग 25 की औसत के साथ 1,906 रन बनाए हैं।

शेफाली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 3,000 रन पूरे किए

शेफाली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 3,000 रन भी पूरे किए हैं। उन्होंने 110 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 3,061 रन अपने नाम किए हैं। इस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में 5 मैचों में 63.00 की औसत के साथ 567 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 26 वनडे में उन्होंने 23.52 की औसत से 588 रन बनाए हैं। उन्होंने 50 ओवर प्रारूप में 4 अर्धशतक लगाए हुए हैं।

हेमलता ने खेली अपनी सर्वोच्च पारी

भारत की ओर से पारी की शुरुआत करने आई हेमलता अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक से चूक गई। उन्होंने 42 गेंदों में 47 रन की पारी खेली। यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उनका सर्वोच्च स्कोर बन गया है। उन्होंने अब तक 23 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 16.23 की औसत और 111.74 की स्ट्राइक रेट के साथ 276 रन अपने नाम किए हैं।

बतौर मुख्य कोच द्रविड की हो सकती है राजस्थान में वापसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को टी-20 विश्व कप 2024 का खिताब जिताकर मुख्य कोच का पद छोड़ने वाले राहुल द्रविड की इंडियन प्रीमियर लीग की टीम राजस्थान रॉयल्स में बतौर मुख्य कोच फिर से वापसी हो सकती है। आरआर प्रबंधन इस संबंध में उनसे बातचीत कर रहा है और जल्द ही इसकी घोषणा की जा सकती है। बता दें, द्रविड का आरआर से पुराना नाता रहा है। वह बतौर खिलाड़ी, कोच और मेंटर टीम के साथ काम कर चुके हैं। एक सूत्र के हवाले से कहा गया कि , 'आरआर टीम प्रबंधन और द्रविड के बीच मुख्य कोच पद को लेकर बातचीत चल रही है और जल्द ही इसका ऐलान किया जा सकता है।' इससे पहले उनके कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ने की खबरें आई थीं। बता दें कि द्रविड की कप्तानी में आरआर ने प्लेऑफ में जगह बनाने के साथ चैंपियंस लीग का फाइनल खेला था।

पीसीबी ने भारत को मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल की शुरुआत में होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ दिया है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, 'पीसीबी ने अब वह कर दिया है जो चैंपियंस ट्रॉफी के मेजबान के रूप में उससे अपेक्षित था। उसने प्रतियोगिता का मसौदा कार्यक्रम और प्रारूप सौंप दिया है तथा प्रतियोगिता के लिए बजट भी सौंप दिया है।' बीसीसीआई ने हमेशा से कहा है कि पाकिस्तान में क्रिकेट खेलना पूरी तरह से सरकार का फैसला है और यहां तक कि पीसीबी की मेजबानी में हुए 2023 एक दिवसीय एशिया कप में भारत ने 'हाइब्रिड मॉडल' के आधार पर अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे।

बशीर बने एक पारी में पांच विकेट लेने वाले युवा खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीते रविवार (21 जुलाई) को इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 241 रन से हराते हुए सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की। ट्रेंट ब्रिज में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड के शोएब बशीर ने उम्दा गेंदबाजी की। उन्होंने वेस्टइंडीज की दूसरी और मैच की चौथी पारी में 5 विकेट लिए। इस बीच घरेलू टेस्ट में 5 विकेट हॉल लेने वाले सबसे युवा इंग्लिश गेंदबाजों के बारे में जानते हैं।

शोएब बशीर (20 साल और 279 दिन)

20 साल और 279 दिन की उम्र में बशीर अब घरेलू धरती पर टेस्ट मैचों में 5 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के सबसे युवा गेंदबाज बन गए हैं। बशीर ने 11.1 ओवर में 41 रन देते हुए 5 विकेट लिए और विपक्षी टीम 385 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 143 रनों पर आउट हो गई। पहली पारी में 108 रन देकर 2 विकेट लेने वाले बशीर ने मैच में कुल 7 विकेट लिए।

टी20 रैंकिंग में हरमनप्रीत शेफाली को हुआ फायदा

नई दिल्ली। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और ओपनर शैफाली वर्मा श्रीलंका में चल रहे महिला एशिया कप में अपने हालिया प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 खिलाड़ी रैंकिंग में आगे बढ़ गई हैं। ताजा टी20 रैंकिंग में हरमनप्रीत और शैफाली संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। हरमनप्रीत के पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद पांच और संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ 66 रन के स्कोर ने उन्हें एक स्थान हासिल करने में मदद की है, जबकि शैफाली के 40 और 37 के स्कोर ने उन्हें चार स्थान ऊपर उठाया है। श्रीलंका की ऑफ स्पिनर इनोशी प्रियदर्शनी बांग्लादेश के खिलाफ दो और मलेशिया के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद तीन स्थान आगे बढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं।

STATE HIGHWAYS AUTHORITY OF JHARKHAND
Government of Jharkhand

e-procurement Notice inviting RFP
for
Engineering, Procurement & Construction (EPC)

Ref No: SHAJ/Proc/CW/Sahajanand Chowk – Judge Colony/2024/398 Date: 23.07.2024

1. State Highways Authority of Jharkhand, Ranchi invites Request for Proposal for Engineering Procurement & Construction basis from eligible bidders for **Construction of 4 lane elevated road from near Sahajanand Chowk to near Judge Colony, Ranchi (Approximate Length-3.00 Km.)** . The approximate cost of the work is Rs. **314.52** Crore.
2. The interested bidders who have experience in execution of similar works and required technical & financial strength may obtain Request for Proposal (RFP) document for Engineering, Procurement & Construction document from e-tendering portal www.jharkhandtenders.gov.in from **08.08.2024 (03:00 P.M.) to 09.09.2024 (upto 12:30 P.M.).**
   The complete RFP Application shall be submitted online by **09.09.2024 (upto 12:30 PM)** on e-tendering portal www.jharkhandtenders.gov.in All the details regarding this RFP will be available on the above mentioned website. It will opened on **10.09.2024 (at 12:30 PM).**
3. The contractors are required to submit non-refundable **Tender Fee** of Rs. 50,000/- (Rs. Fifty thousand only) & **Bid Security (EMD)** of Rs. 3.15 crore (Rs. Three Crore Fifteen Lakhs) only. Tender fees and Earnest money Deposit(EMD) shall be deposited online as per Information technology & E-Governance Department order no 120 dated 03.10.2023.
4. **The cost of the work and Bid Security (EMD) may change.**

Sd/-
Member (Technical)
State Highways Authority of Jharkhand, Deen Dayal Nagar
(Near Office of Executive Engineer, NH Division, Ranchi)
Booty Road, Ranchi-834008. Ph.: 0651-2361306,
E-mail: membertechnical.shaj3@gmail.com

PR 330477 State Highway Authority of Jharkhand(24-25)#D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल विभाग
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

ई–प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा सूचना
PR No. 293481 का चतुर्थ आमंत्रण
निविदा आमंत्रण सूचना संख्या **DWSD/Lohardaga/26/2022-23** दिनांकः 23.07.2024

1	कार्य का नाम – Detailed survey, designing and drawing, Construction of Weir with allied works etc. all complete job for **Arkosa and Adjoining villages Rural Water Supply Scheme** under D.W. & S. Division Lohardaga on turnkey basis."	
2	प्राक्कलित राशि	1253.79 लाख रूपये
3	अग्रधन की राशि	12.54 लाख रूपये
4	परिमाण विपत्र का मूल्य	0.10 लाख रूपये
5	कार्य पूरा करने की अवधि	09 months + 3 months (Trial and run for rectification of defects etc.)
6	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	26.07.2024, 03:30 बजे अपराह्न से
7	प्री बीड मिटिंग की तिथि एवं स्थान	दिनांक 03.08.2024, समय 11:30 बजे पूर्वाह्न में अभियंता प्रमुख, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का कार्यालय, नेपाल हाउस, रांची
8	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	12.08.2024, 03:30 बजे अपराह्न तक
9	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेंस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राषि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	12.08.2024, 03:30 बजे अपराह्न तक
10	तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय	13.08.2024, 11:30 बजे पूर्वाह्न से
11	तकनीकी बीड खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, लोहरदगा।
12	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम एवं मोबाईल नं0	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा। मो0 8084784990
13	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन नं0	8084784990

नोटः– वैसे सम्वेदक जो पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में समुचित श्रेणी में निबंधित नहीं है, वे भी निविदा में भाग ले सकते हैं, परन्तु कार्यावंटन के 60 दिनों के अंदर पेयजल एवं स्वच्छता में समुचित श्रेणी में निबंधन करवा लेना अनिवार्य होगा। ऐसी स्थिति में उन्हें विभागीय पत्रांक **678(CDO)** दिनांक 20.10.2012 के अनुसार इस आशय का शपथ पत्र देना अनिवार्य होगा कि राज्यान्तर्गत किसी भी थाने में उनके विरूद्ध कोई अपराधिक मामला दर्ज नहीं है और वे निविदा के अन्य सभी शर्त्तों को पूरा करते हैं। प्राक्कलित राशि घट या बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
विस्तृत जानकारी बेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

PR.NO.330449 Water Resource(24-25):D

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग बीजापुर वनमंडल, बीजापुर, जिला-बीजापुर (छ.ग.)

नीलाम सूचना

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बीजापुर वनमंडल के बीजापुर/ काष्ठागार/ बांसागार के ईमारती काष्ठ, सागौन जलाऊ चट्टा एवं अगरबत्ती काड़ी का नीलाम दिनांक **01/08/2024** को **प्रातः 10:00 बजे** से बांसागार नीलाम हॉल में किया जावेगा । इच्छूक व्यापारियों से अनुरोध है कि, वे नीलाम में भाग लें। नीलाम की शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवसों में काष्ठागार अधिकारी या वन मण्डल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है । नीलाम के पूर्व लाटों को भली भाँति देख लें ।

काष्ठागार का नाम	नया काष्ठ अनुमानित मात्रा			पुराना काष्ठ अविक्रित		योग	
	प्रजाति	घ.मी.	बल्ली, डेंगरी नग	घ.मी.	बल्ली, डेंगरी नग	घ.मी.	बल्ली, डेंगरी नग
1	2	3	4	5	6	7	8
ईमारती काष्ठ							
बीजापुर काष्ठागार	सागौन	39.629	20	27.355	116	66.984	136
	शीशम	0.777	0	0.090	1	0.867	1
	साजा	8.749	38	0.000	0	8.749	38
	बीजा	1.783	3	2.284	7	4.067	10
	निलगिरी	0.000	0	0.771	0	0.771	0
	हल्दू	0.483	13	0.000	0	0.483	13
	अन्य	2.388	7	0.000	37	2.388	44
	योग-	53.809	81	30.500	161	84.309	242
जलाऊ चट्टा							
	जलाऊ चट्टा				140 चट्टा		
अगरबत्ती काड़ी							
	अगरबत्ती काड़ी (चौकड़ी)				लम्बाई 8 इंच		20 क्विंटल

टीपः-
01. प्रत्येक क्रेता को नीलाम में बोली लगाने के पूर्व प्रत्येक लाट के संबंध में जिस सीमा तक वह बोली लगाना चाहता है, उसके 10% प्रतिशत के बराबर राशि या 1000/- रूपये इसमें जो भी अधिक हो जमा करें ।
02. क्रेता द्वारा नीलाम में बोली लगाने के पूर्व कैलेण्डर वर्ष 2024 का पंजीयन एवं आयकर पेन कार्ड की छाया प्रति ई. एम. डी. कक्ष में जमा करना अनिवार्य है ।
03. क्रेता को नीलाम में बोली लगाने के पूर्व जी. एस. टी. पंजीयन (GSTN) की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है ।
04. विनिर्माता/उपभोक्ता / व्यापारी लायसेंस एवं आयकर पेन/ टिन नंबर की छायाप्रति अनिवार्य रूप से जमा करने पर ही वर्क आर्डर जारी किया जावेगा ।
05. नीलाम में क्रय किये गये लाटों का विक्रय मूल्य सहित ई.एम.डी. जमा पर्ची के पीछे अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा ।

वनमंडलाधिकारी
बीजापुर, वनमंडल बीजापुर

G- 242501284/5

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विभिन्न विद्युत टीआरडी सम्बंधित कार्यों हेतु ई-निविदा

■ **1. निविदा सूचना क्र.:** टीआरडी_एनजीपी_टेंडर_24-25_2आर2 दिनांक: 17.07.2024
कार्य का नाम: क्रिटिकल इम्प्लांटेशन का सुधार (2.45 मीटर से 2.49 मीटर के बीच इम्प्लांटेशन)।
IRPSM ID.: 13.02.36.23.3.51.003,
निविदा मूल्य: ₹ 1,84,60,668.20
बयाना राशि: ₹ 2,42,300.00

■ **2. निविदा सूचना क्र.:** टीआरडी_एनजीपी_टेंडर_24-25_06आर1 दिनांक: 19.07.2024
कार्य का नाम: इतवारी-छिंदवाड़ा सेक्शन की पीएसआई परिसंपत्तियों के रखरखाव गति-विधियों की 24 महीने के लिए आउटसोर्सिंग।
निविदा मूल्य: ₹ 2,83,70,884.64,
बयाना राशि: ₹ 2,91,900.00
इलेक्ट्रॉनिक ऑफर जमा करने की अंतिम तिथि (ऑन-लाइन) - दोनों **15:00** बजे तक:
निविदा क्र. 1: दिनांक **12.08.2024** को,
निविदा क्र. 2: दिनांक **19.08.2024** को।
उपरोक्त निविदा की अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।
वरि. मंडल विद्युत अभियंता -टीआरडी,
AIM/18-65 **दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर**
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

न्यायालय नायब तहसीलदार छुरा, जिला - गरियाबंद (छ.ग.)
// उद्घोषणा //
रा.प्र.क. 202406220600001/ अ-59 / वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अग्रणी बैंक प्रबंधक, गरियाबंद का पत्र क्रमांक / BOB / LBO / Gariaband / RSETI / 2024 / 13 दिनांक **29.05.2024** के पत्र अनुसार ग्राम पाण्डुका तहसील छुरा में स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 1441 रकबा 0.88 हे. को Rural self employment training institute (RSETI) की स्थापना हेतु भूमि आबंटित किया जाना है।
उपरोक्त संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था / शासकीय / अर्द्ध शासकीय निकाय या अन्य संस्था को किसी भी प्रकार की दावा / आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 31.07.2024 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त होने वाले दावा / आपत्ति पर किसी भी प्रकार का कोई विचार नही किया जावेगा।
मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पद मुद्रा से आज दिनांक 16.07.2024 को जारी किया गया।

छुरा,
दिनांक 16/07/2024 तहसीलदार, छुरा

कार्यालय रा.नि.मं.- रायपुर-08, शंकर नगर, तहसील- रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)
// आम सूचना //
जारी दिनांक 18-07-2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम आमासिवनी, प.ह.नं. 110/42, राजस्व निरीक्षक मण्डल- रायपुर-08 (शंकर नगर) स्थित भूमि खसरा नम्बर 221, 222, 232/1 रकबा क्रमशः 0.097 हे., 0.995 हे., 10.753 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 02-03-2023 परिपालन में दिनांक 25-07-2024 को समय अपरांह 2:30 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।
अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी नम्बर 110/42 के आमासिवनी स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैद्य अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरान्त किसी दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा ।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.- रायपुर 08, (शंकर नगर)
रायपुर (छ.ग.)
S-40909/1

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)
Phone No.: - 07762-222911, Fax No.:- 07762-222923
Email:- nraigarh@ymail.com website - www.nagarnigamraigarh.com

क्रमांक 1055/उद्यान वि./न.पा.नि./ 2024 रायगढ़, दिनांक 23/07/2024
निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ उद्यान विभाग में वित्तीय वर्ष 2024-25 तथा आगामी निविदा होने तक के लिए सिविल कार्य जैसे गार्डन, तालाब व डिवाईडर गार्डन आदि के मरम्मत/ संधारण कार्य, कार्य की अनु लागत राशि 19.80/- लाख रू. अमानत राशि 15,000.00/- रु. निविदा प्रपत्र शुल्क 750.00/- रू हेतु लागू SOR (PWD SOR 01-01-2015) से कम / अधिक अथवा समान दर पर सक्षम श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदारो से निविदा प्रपत्र "अ" नगर पालिक निगम, रायगढ़ की वेबसाईट www.nagarnigamraigarh.com से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर पूर्ण रूप से भर कर निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र शुल्क डीडी के माध्यम से दिनांक 13/08/24 अपरान्ह 04:00 बजे तक स्पीडपोस्ट / पंजीकृत डाक से मुहर बंद निविदाएं त्रि- लिफाफा पद्धति से आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं उसी दिन अपरान्ह को सायं 04:30 बजे उपस्थित निविदाकारो अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।
नोटः कार्य के नियम एवं शर्तें संलग्न कर वेबसाईट www.nagarnigamraigarh.com/ uad.cg.gov.in पर अपलोड है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल
पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)
// सर्व संबंधित को सूचना //

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14/09/2006 (यथा संशोधित) के अंतर्गत सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि मेसर्स चुनकट्टा लाईम स्टोन क्वारी (प्रो. श्री कमल कुमार अग्रवाल), ग्राम-चुनकट्टा, तहसील- पाटन, जिला- दुर्ग स्थित खसरा क्रमांक 94/1, कुल क्षेत्रफल-1.58 हेक्टेयर में प्रस्तावित चूना पत्थर (गौण खनिज) उत्खनन क्षमता- 30,000 टन प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई बाबत छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, नवा रायपुर में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना के संबंध में आपत्ति / सुझाव / विचार / टीका टिप्पणी, इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अंदर क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, 5/32 बंगला, भिलाई, जिला-दुर्ग के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। **इस परियोजना के लिये लोक सुनवाई दिनांक 30/08/2024 को समय-दोपहर 12:00 बजे, स्थान- आदिवासी सामुदायिक भवन, ग्राम पंचायत चुनकट्टा, ग्राम-चुनकट्टा, तहसील- पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.) में नियत की गई है।** यह भी सूचित हो कि :-
1. लोक सुनवाई के दौरान सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों को फिजिकल / सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा।
2. लोक सुनवाई में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों द्वारा मास्क का उपयोग किया जावेगा तथा समय समय पर सेनेटाईजर का उपयोग किया जाना अनिवार्य होगा।
3. लोक सुनवाई स्थल पर सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों की बैठक व्यवस्था कम से कम 02 मीटर की दूरी रखना अनिवार्य होगा।
4. कोरोना वायरस के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी समस्त दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14 सितम्बर 2006 (यथा-संशोधित) के अनुसार संबंधित व्यक्तियों के अवलोकन / पठन हेतु ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा तथा सी.डी. (साफ्ट कॉपी) डायरेक्टर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली, क्षेत्रीय अधिकारी, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर, छत्तीसगढ़, कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, दुर्ग, जिला-दुर्ग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग, जिला-दुर्ग, मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, दुर्ग, जिला-दुर्ग, सरपंच / सचिव, ग्राम पंचायत- चुनकट्टा, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, 5/32 बंगला, भिलाई, जिला-दुर्ग एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर में रखी गई है।

सदस्य सचिव
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल,
नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित,
छठवी मंजिल टॉवर "सी" कमर्शियल कॉम्पलेक्स, सी.बी.डी.
सेक्टर 21, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर 492002
Website:- markfed.cg.nic.in, E-Mail:- mf_ctrlroom_raipur@gov.in,
Phone No. 0771-2425420

क्रमांक/लेखा/वित्त/114/2024-25/2111/2024
अटल नगर रायपुर, दिनांक 22.07.2024
द्वितीय निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित, रायपुर खरीफ वर्ष 2024-25 के लिये बारदाना क्रय करने हेतु वित्तीय व्यवस्था करने भारतीय रिजर्व बैंक की सूची 'A' एवं 'B' में अनुबद्ध बैंकों / वित्तीय संस्थाओं से पुनः प्रस्ताव आमंत्रित करता है। विस्तृत विवरण www.markfed.cg.nic.in में देखा जा सकता है-
1. प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि- 01/08/2024 समय 12:00 बजे
2. प्रस्ताव खोले जाने की तिथि- 01/08/2024 समय 3:00 बजे

(रमेश कुमार शर्मा)
प्रबंध संचालक
S-40906/1

स्विट्जरलैंड का दूल्हा, जर्मनी की दुल्हन, स्पेन में मिले, भारत में शादी, बाराती चंबलवासी

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड का दूल्हा, जर्मनी की दुल्हन, स्पेन में मुलाकात, हिंदुस्तान में शादी जी हां और सबसे खास बात, इस शादी में चंबल वाले बाराती बने। मध्यप्रदेश के शिवपुरी में हुई ये अनूठी शादी इन दिनों खूब चर्चा में है। सात समुंदर पार से आकर इस विदेशी जोड़े ने हिंदू रीति रिवाज से देसी स्टाइल में विवाह रचाया है। इस अनोखी जोड़ी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे।

लोगों ने विदेशी कपल को न सिर्फ शादी, बल्कि आगे के जीवन के लिए भी शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। इस शादी में डीजे था, बैंड-बाजे थे, घोड़ा-बग्गी थी, रोड लाइट थी और इन सब तमाम इंतजाम के बीच इनका हौसला बढ़ाने के लिए चंबल के लोग भी थे।जिन्होंने नाच गाकर बारात में शामिल होकर विवाह के उत्साह को चार गुना बढ़ा दिया।

आध्यात्मिक गुरु बने प्रेरणास्रोत

स्विट्जरलैंड के मार्टिन और जर्मनी की उलरिके वैदिक सनातन परंपरा के पाणिग्रहण संस्कार द्वारा परिणय सूत्र में बंधे। दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई, शादी में शामिल होने आए शिवपुरी के लोगों ने पुष्प वर्षा और अक्षत डालकर दोनों को आशीर्वाद दिया। यह शादी नक्षत्र गार्डन में संपन्न हुई। देश के जाने-माने आध्यात्मिक गुरु डॉ. रघुवीर सिंह गौर इस शादी के प्रेरणा स्रोत रहे।

स्पेन में हुई थी पहली बार मुलाकात

ज्यूरिक निवासी 45 साल के मार्टिन पेशे से लीगल ऑडिट कंपनी में अधिकारी हैं। वह गुरु रघुवीर सिंह से पांच साल से संपर्क में हैं। फिर वह गुरुजी के दर्शन करने भारत आने लगे। जर्मनी के म्यूनिख शहर की उलरिके 48 साल की हैं। वह पेशे से नर्स हैं। दोनों की पहली मुलाकात एक यात्रा के दौरान स्पेन में हुई थी। बाद में दोनों में फोन पर बातें होती रहीं और दिल मिल गए। मार्टिन गुरुजी के सानिध्य में शादी करना चाहते थे।

टीवी पर देखी हिंदू रीति रिवाज से शादी

उलरिके ने बताया कि मैं सोशल मीडिया के जरिए गुरुजी से जुड़ी। मैंने भारत के बारे में जाना, उनके आध्यात्मिक प्रवचनों से प्रेरित हुई। भारतीय संस्कृति में रुचि बढ़ी, टीवी पर हिंदू रीति से शादी देखी। गुरुजी के माध्यम से मार्टिन से स्पेन में छुट्टियों में मुलाकात हुई और प्रेम हो गया। गुरुजी ने शादी को अंजाम तक पहुंचाया।

लड़का-लड़की ने भारत आकर प्रेम विवाह किया

इस शादी को कराने वाले शक्तिपात के विशेषज्ञ डॉ. रघुवीर सिंह गौर ने बताया मार्टिन खुद योग गुरु हैं, ये मुझसे प्रभावित हुए। भारत आकर मुझसे मिले। लड़की भी मिलने आई, यहां के जीवन को लेकर चर्चा होती थी तो ये सोलह संस्कार से प्रभावित हुए। इनका ये प्रेम विवाह है। इन्हें परिणय संस्कार अच्छा लगा, क्योंकि इसकी साक्षी अग्नि होती है। चूंकि, इन्होंने मुझे गुरु मान लिया था, इसलिए वैदिक हिंदू रीति से मेरे सानिध्य में शादी की।

रोचक खबरें

खतरा : पृथ्वी के पास से गुजरेंगे दो विशाल एस्टेरॉयड, नासा ने जारी की चेतावनी

न्यूयार्क। एस्टेरॉयड को काफी लंबे समय पृथ्वी के लिए खतरा बताया जाता है। कहा जाता है कि अगर पृथ्वी से एस्टेरॉयड टकराता है, तो तबाही मच सकती है। बताया जाता है कि एक बार पृथ्वी से एस्टेरॉयड टकराया था, जिसके बाद डायनासोर खत्म हो गए थे। हालांकि, कई बार वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के पास से गुजरने वाले एस्टेरॉयड के टकराने की संभावना जताई, लेकिन कभी ऐसा नहीं हुआ। अब एक बार फिर दो विशाल एस्टेरॉयड पृथ्वी के पास आ रहे हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने दो एस्टेरॉयड को लेकर अलर्ट जारी किया है। यह दोनों एस्टेरॉयड आज धरती के पास आ रहे हैं। यह दोनों एस्टेरॉयड आमतौर पर पृथ्वी के करीब गुजरने वाले क्षुद्रग्रहों की तुलना में बहुत बड़े हैं। इनमें एस्टेरॉयड 2024 LY2 एक इमारत के बराबर बड़ा है, तो दूसरा 2024 NH का आकार हवाई जहाज के बराबर है। अंतरिक्ष एजेंसी ने दोनों एस्टेरॉयड के पृथ्वी पर होने वाले असर के बारे में बताया है। सौरमंडल में सूर्य का चक्कर लगाने वाले आकाशीय पिंडों को एस्टेरॉयड कहा जाता है। ग्रहों की तुलना में क्षुद्रग्रह छोटे होते हैं। नासा की तरफ से बताया गया है कि धरती के पास से गुजरने वाला एस्टेरॉयड 2024 LY2 आकार में एक विशाल इमारत के बराबर है, जिसका व्यास 88 मीटर है।

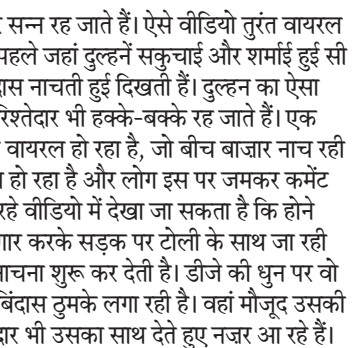

बिंदास : शादी की ऐसी खुशी, बीच बाज़ार में झूम-झूमकर नाचने लगी दुल्हन

नई दिल्ली। अपने देश की शादियों में खाने-पीने और बैंड बाज़ा के बाद ही रौनक लगती है। शादी का माहौल तब तक अधूरा रहता है, जब तक कि दूल्हे और दुल्हन की ओर से लोग डांस नहीं करते। हालांकि आजकल बारातियों और घरातियों के बजाय खुद दूल्हा-दुल्हन ऐसे डांस करते हैं कि आसपास के लोग कई बार सन्न रह जाते हैं। ऐसे वीडियो तुरंत वायरल भी हो जाते हैं। शादियों में पहले जहां दुल्हनें सकुचाई और शर्माई हुई सी होती थीं, वहीं अब वो बिंदास नाचती हुई दिखती हैं। दुल्हन का ऐसा अंदाज़ दिखाई देता है कि रिश्तेदार भी हक्के-बक्के रह जाते हैं। एक ऐसी ही दुल्हन का वीडियो वायरल हो रहा है, जो बीच बाज़ार नाच रही है। ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है और लोग इस पर जमकर कमेंट भी कर रहे हैं। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि होने वाली दुल्हन पूरा साज-श्रृंगार करके सड़क पर टोली के साथ जा रही है। इस दौरान वो झूमकर नाचना शुरू कर देती है। डीजे की धुन पर वो सपना चौधरी के गाने पर बिंदास ठुमके लगा रही है। वहां मौजूद उसकी सहेलियां और अन्य रिश्तेदार भी उसका साथ देते हुए नज़र आ रहे हैं। वीडियो के साथ बताया गया है कि ये दुल्हन के मातापूजन कार्यक्रम के बाद का वीडियो है, जिसके बाद शादी के लिए वो तैयार होगी।

आकर्षण

करोड़ों साल पुराने जीव मिलेंगे यहां!

खास मच्छर बनाते हैं इस गुफा को चमकीला, दीवारें छूना भी है मना

एजेंसी ▶▶ वेलिंगटन

वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफा आकर्षण न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप पर वेटोमो में एक गुफा है। यह न्यूजीलैंड में विशेष रूप से पाई जाने वाली एक चमकने वाले कीड़े की प्रजाति, अरचनोकैम्पा लुमोनिसा की आबादी के लिए जाना जाता है। गुफाओं की दीवारों को छूना तक मना है।

वेटोमो गुफाएं अपनी अद्भुत चट्टानों और चमकते कीड़ों की गुफाओं के साथ प्रभावशाली दिखती हैं, लेकिन उनका इतिहास, खोज और निवासियों का मतलब है कि वेटोमो गुफाओं में दिखने से कहीं ज्यादा है। न्यूजीलैंड का यह बेहद लोकप्रिय आकर्षण बेशक ज्यादा जानने लायक है। इनका इतिहास और आज यहां पनपने वाले जीवों के कारण, ये गुफाएं एक अलग ही कहानी बन कर निकली हैं।

वैसे को इसके कीड़ों को ग्लोवॉर्म कहा जाता है, वे कीड़े नहीं हैं। लेकिन वे चमकते हैं! न्यूज़ीलैंड के वेटोमो गुफाओं में रहने वाले ग्लोवॉर्म वास्तव में एक प्रकार के मच्छर हैं, जिन्हें एराचनोकैम्पा ल्यूमिनोसा कहा जाता है। फिर भी यहां सबसे आम जानवर कीड़े हैं। इसमें चींटियां और विशाल झींगुर शामिल हैं। मीठे पानी की खाड़ियों या नालों द्वारा कई छोटी भूमिगत झीलें बनाई गई थीं, जो न्यूजीलैंड की लॉन्गफ़िन ईल का घर हैं।

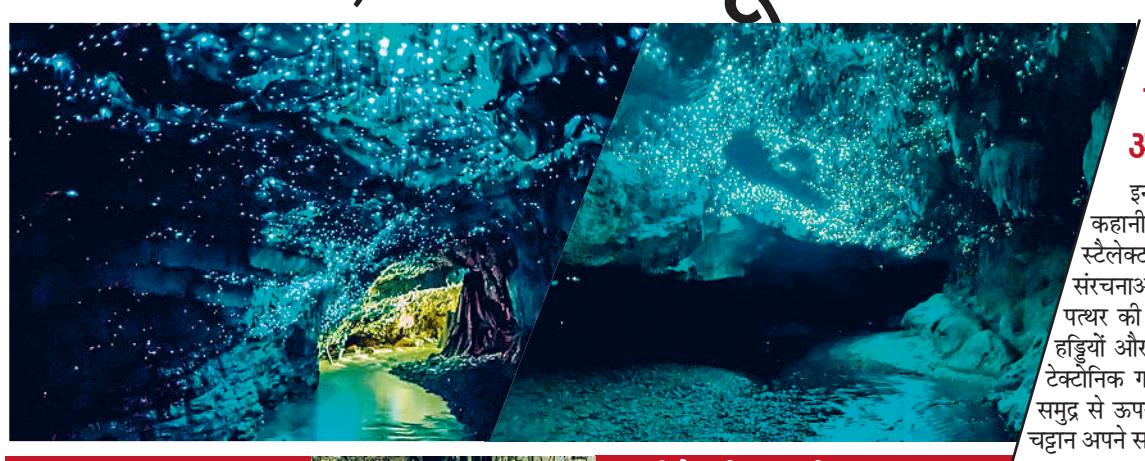

चट्टानें समुद्री जीवन की हड्डियों और खोलों से बनी

इन गुफाओं के बनने की कहानी कम अनोखी नहीं है। स्टैलेक्टाइट और स्टैलेग्माइट संरचनाओं को बनाने वाली चूना पत्थर की चट्टानें समुद्री जीवन की हड्डियों और खोलों से बनी थीं। जब टेक्टोनिक गतिविधि ने न्यूजीलैंड को समुद्र से ऊपर उठाया तो यह तलछटी चट्टान अपने साथ ले आई। फिर, लगभग 10 लाख साल पहले, चट्टान बारिश के संपर्क में आई, जिसने समय के साथ बड़ी दरारें पैदा कर दीं, जो आखिरकार गुफाएं बन गईं।

वेटोमो गुफाएं असल में गुफाओं का एक जाल है। बहुत से लोगों ने वेटोमो में केवल तीन मुख्य गुफाओं के बारे में सुना होगा। वास्तव में यहां सैकड़ों गुफाएं हैं। ऐसा कहा जाता है कि 1800 के दशक में वेटोमो गुफाओं की खोज करने वाले पहले व्यक्ति माओरी प्रमुख ताने टिनोरौ थे। स्थानीय सर्वेक्षक के साथ गुफाओं की खोज करने के बाद, स्थानीय माओरी गाइड 1904 में पर्यटकों को गुफ़ा में ले जाने लगे।

बनने में हजारों साल लगे

वेटोमो गुफाओं में घूमते समय आपको ध्यान रखना होगा कि चूना पत्थर को छूने से वह हिस्सा नष्ट हो सकती हैं। वेटोमो गुफाओं में आप जो स्टैलेक्टाइट्स, स्टैलेग्माइट्स, पिलर और हेलिक्टाइट्स देखते हैं, उन्हें बनने में हजारों साल लगे हैं। न केवल संरचनाएं नाजुक हैं, बल्कि हमारी त्वचा पर मौजूद रसायन भी चूना पत्थर के साथ बुरे रिएक्शन कर सकते हैं। वेटोमो गुफा न केवल ग्लोवर्म्स का घर है, बल्कि इसमें एक और अद्भुत कीट भी है जिसे केव वेटा कहा जाता है।

न्यूजीलैंड में 300 से ज़्यादा गुफाएं

इसे केव क्रिकेट के नाम से भी जाना जाता है, वेटा न्यूजीलैंड में पाया जाता है। इसकी सत्तर अलग-अलग प्रजातियां हैं, जिनमें से एक प्रजाति, विशाल वेटा, दुनिया का सबसे भारी कीट है। वे लाखों सालों से डायनासोर को आते-जाते हुए देख रहे हैं। न्यूजीलैंड में 300 से ज़्यादा गुफाएं हैं। इनमें मै ग्लोवॉर्म वेटोमो गुफाओं में सबसे प्रसिद्ध है, जो 130 से ज़्यादा सालों से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रही है। सुनने में हैरानी होती है, लेकिन यह सच है कि गुफा में मौजूद आकर्षक कीड़ों और ग्लोवॉर्म ने हजारों लोगों को इस जगह पर आने के लिए प्रेरित किया है।

फसलों का बॉडीगार्ड, किसानों का मित्र है ये सांप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बरसात के मौसम आते हीं प्रकृति नए रूप ले लेती है। इस मौसम में कई समस्या भी चलकर आती है। इस मौसम में सर्पदंश का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में इंसानों के साथ सांपों के लिए भी खतरा बढ़ जाता है। लोगों में इतनी भ्रांतियां फैली है कि जहरीले सांप के साथ बिना जहर वाले सांप को भी लोग मार देते हैं। मगर वो सांप एक तरह से सुरक्षा का काम करता है।

झारखंड के पलामू जिले में नाग, करैत और बहिरा सांप पाए जाते हैं। जो कि जहरीले होते हैं। इसमें नाग और करैत को न्यूरोटॉक्सिन कहा जाता है। वहीं, बहरा सांप को रसल्स वाइपर कहा जाता है। इसके अलावा इस इलाके में पाए जाने वाले कोई भी सांप जहरीले नहीं होते है। बावजूद इन सांपों को मार दिया जाता है। लोग जहरीले समझ कर इन्हें भी मार देते हैं। इसमें एक धामन सांप होता है। जो किसानों के मित्र के समान है।

धामन है रैट स्नेक, खाता है 25 हजार चूहा

दरअसल, धामन को रैट स्नेक कहा जाता है। जो कि अपने जीवन काल में 25 हजार चूहों को खाता है। एक्सपर्ट डॉ.डी एस श्रीवास्तव ने बताया कि इस सांप के बारे में कई भ्रांतियां फैली हुई है। जिसमें से एक है कि धामन सांप गाय का दूध छानकर पी जाता है। लेकिन, ये केवल एक भ्रांति है। क्योंकि, इंसानों को दूध पसंद है तो इसका मतलब ये भी नहीं है कि सांप को भी दूध पसंद है। इसके साथ दूध पचाने के लिए जो रसायन चाहिए होता है, वो रसायन सांप के पास नहीं होता है। सांप कभी दूध छानकर पी नहीं सकता है। क्योंकि, छानकर दूध पीने के लिए जीभ, तालू और गाल की आवश्यकता होती है। जोकि सांप के पास गाल होता ही नहीं है। उसके जीभ भी दो भागों में बंटे होते हैं। इसीलिए, वो थन को पकड़कर दूध पी हीं नहीं सकता है। गा- बैल बांधने वाले जगह पर सांप इसीलिए मिलते है, क्योंकि वहां गाय के लिए मौजूद चारा के पास चूहा छुपे होते हैं। जिसके पीछे सांप वहां पहुंचते हैं।

किसानों के लिए मित्र है धामन

एक्सपर्ट ने आगे कहा कि धामन किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। धामन अपने जीवनकाल में 25 हजार चूहों को खाता है। जिससे फसल नुकसान से बचता है। अगर आप एक धामन को मारते हैं तो आप 25 हजार चूहों के जीवन हो आजाद कर देते हैं। जो किसानों के लिए कितना नुकसानदेह हो सकता है। 25 हजार चूहों और उनके बढ़ती संख्या को आजाद कर देते हैं। जिससे भारी मात्रा में फसल नुकसान हो सकता है। इसीलिए, धामन को कभी मारना नहीं चाहिए।

एसी कोच में सोए थे लोग, तभी खड़ी हो गई लड़की बीच में करने लगी ऐसी हरकत, उठकर बैठ गए यात्री!

नई दिल्ली। दुनियाभर में हर किसी को अपना टैलेंट दिखाने का मौका मिल जाता है। पहले ये सबकुछ इतना आसान नहीं था, लेकिन सोशल मीडिया के बढ़ते दौर में अब ये सब मुश्किल नहीं रहा। लोग यूट्यूब से लेकर इंस्टाग्राम पर अपनी खूबियों के वीडियो को शेयर करते हैं और रातों-रात वायरल हो जाते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो अपनी अजीब हरकतों की वजह से ज्यादा चर्चा में आ जाते हैं। ऐसे लोग कहीं भी कुछ भी करने लग जाते हैं। इंस्टाग्राम पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक लड़की ट्रेन में अचानक डांस करने लगती है। लेकिन लड़की के इस हरकत से अंदर सो रहे लोग उठकर बैठ गए। इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को लड़की ने खुद अपने अकाउंट से शेयर किया है।

पांडा जैसा बस दिखता है, बतख की तरह निकालता है आवाज

न्यूयार्क। रेड पांडा के नाम से मशहूर यह जानवर असल में पांडा की तरह नहीं है। यह रैकून प्रजाति के सबसे करीब होता है कई हरकतें बिल्ली की तरह होती है, लेकिन आवाज बतख की तरह निकालता है। इतना ही नहीं इसका चेहरा रात को खास तौर से चमकता है। दुनिया में अनोखे जानवरों की कमी नहीं है। कुछ जानवरों को देख कर ऐसा लगता है कि वे कई जानवरों का मिश्रण हैं। लाल पांडा ऐसे जानवरों में गिना जाता है जिसकी कई अनूठी विशेषताएं हैं, जो उसे अलग बनाती हैं। उनके शरीर का आकार-प्रकार ही नहीं, बल्कि कई कार्य भी दूसरे जानवरों की तरह दिखते हैं। उन्हें बायो डाइवर्सिटी के लिहाज से एक बहुत ही अहम प्रजाति माना जाता है। लाल पांडा शक्ल से ही पांडा दिखाई देते हैं। जबकि विशाल पांडा की प्रजाति से उनका कोई खास लेना देना नहीं है। वे इनके करीबी रिश्तेदार तक नहीं है। वे रैकून जैसे जानवरों के ज्यादा करीबा हैं। हाल ही में हुए आनुवंशिक शोध ने उन्हें मस्टेलिडे परिवार से भी जोड़ा है, जिसमें वीजल, ऊदबिलाव और वूल्वरिन जैसे जानवर गिने जाते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com